RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 27 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :57 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 49 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 312 | गाजियाबाद, बुधवार 27 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

शाह ने 40-50 साल तक भाजपा सरकार की बात 'वोट चोरी' के कारण की थी: राहुल

✷ वेबवार्ता. मधुबनी (बिहार) ✷

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह ने देश में 40-50 साल तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बने रहने संबंधी बयान इसलिए दिया था क्योंकि ये लोग 'वोट चोरी' करते हैं। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान मधुबनी में एक सभा को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निर्वाचन आयुक्तों का चयन करते हैं और चुनावों की तारीखें, निर्वाचन आयोग नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''कुछ साल पहले अमित शाह ने कई बार यह बयान दिया कि भाजपा की सरकार 40-50 साल तक रहेगी। पहले ये बयान अजीब लगा, अमित शाह को कैसे पता कि 40-50 साल तक सरकार चलेगी। अब सच्चाई सामने आ गई है।'' उन्होंने दावा किया कि अमित शाह ऐसा इसलिए कह पा रहे थे, क्योंकि ये लोग 'वोट चोरी' करते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, ''वोट की चोरी पहले गुजरात में शुरू हुई और फिर 2014 में देश में दूसरे हिस्सों में शुरू हो गईं। ये लोग चुन-चुनकर राज्य जितवाते और हरवाते हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी तय करते हैं कि निर्वाचन आयुक्त कौन बनेगा और इसमें विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती।

राहुल गांधी का कहना था, ''2023 में भाजपा ने नया कानून बनाया कि निर्वाचन

आयुक्त पर कोई मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। सवाल है कि ऐसा कानून क्यों बनाया गया? जवाब है- 'वोट चोरी' करवाने के लिए। उनका कहना था, ''मेरी 'वोट चोरी' से संबंधित संवाददाता सम्मेलन पर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने कुछ नहीं कहा।

ऐसा इसलिए क्योंकि जब चोर पकड़ा जाता है तो वह बिल्कुल चुप हो जाता है। उसे पता चल जाता है कि मैं तो फंस गया, अब पकड़ लिया गया हूं।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि वोट का अधिकार छिन जाने के बाद लोगों को कोई दूसरा अधिकार नहीं मिल सकेगा। उन्होंने कहा, ''संविधान में लिखा है कि हिंदुस्तान के हर नागरिक को एक वोट मिलेगा। अंबानी का बेटा हो या देश का गरीब युवा, दोनों को एक समान वोट मिलता है। अंबानी जैसे पूंजीपतियों को वोट की जरूरत नहीं है, बैंक के दरवाजे उनके लिए खुले हैं, उनका कर्ज माफ हो जाता है।''

राहुल गांधी ने कहा, ''देश में वोट की जरूरत गरीबों को है, क्योंकि इसके बिना आपको कोई अधिकार नहीं मिल सकता।'' राहुल गांधी ने कहा कि वह जो कहते हैं, उसे पूरा करके ही छोड़ते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''आने वाले समय में जो लोग 90 प्रतिशत आबादी का हिस्सा हैं, उसे संस्थाओं में भागीदारी मिलेगी।'' उनका कहना था, ''जाति जनगणना इसकी बुनियाद है। इससे दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।'' राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना में जो जातिगत सर्वेक्षण हुआ है, वह विकास का ब्लूप्रिंट है। उन्होंने कहा, ''कहा जाता था कि देश में क्रांति बिहार से आती हैं...इस यात्रा में मुझे यह दिखा है।''

प्रियंका गांधी राहुल के साथ में हुईं शामिल

पटना। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा आज बिहार में चल रही 'मतदाता अधिकार यात्रा' में अपने भाई राहुल गांधी के साथ शामिल हुईं।

यात्रा के दसवें दिन सुपौल जिले में जबरदश्त भीड़ देखने को मिली। पहली बार प्रियंका गांधी इस अभियान में शामिल हुईं और राहुल गांधी के साथ खुले वाहन में लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान माहौल उत्साहपूर्ण रहा और महागठबंधन के कार्यकर्ताओं में नई स्फूर्ति देखी गई।

मोदी जापान में शिखर वार्ता और चीन में एससीओ बैठक में शामिल होंगे : विदेश मंत्रालय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अगशत से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह जापान में 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन और चीन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) की 25वीं बैठक में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की आगामी जापान और चीन यात्रा के बारे में विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। प्रधानमंत्री की आगामी जापान यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, "मोदी 28 अगशत की शाम को जापान की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। वह जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 29 और 30 अगशत को जापान में रहेंगे।"

मुख्य चुनाव आयोग के चयन में विपक्ष के नेता की बात नहीं सुनते पीएम : राहुल गांधी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वोट चोरी उनकी सुनियोजित योजना का हिस्सा है इसलिए मुख्य चुनाव आयोग की नियुक्ति की समय मनमानी करते हैं और विपक्ष के नेता की बात नहीं सुनी जाती है। श्री गांधी ने कहा "प्रधानमंत्री तय करते हैं कि इलेक्शन कमिश्नर कौन बनेगा। वहां विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती। साल 2023 में भाजपा ने नया कानून बनाया कि इलेक्शन कमिश्नर पर कोई मामला नहीं किया जा सकता।" उन्होंने इस कानून को लेकर सवाल करते हुए कहा कि आखिर ऐसा कानून क्यों बनाया गया। उन्होंने कहा कि इसका सीधा और सरल जवाब है कि 'वोट चोरी' करवाने के लिए ऐसा किया जाता है। उन्होंने कहा "मेरी 'वोट चोरी' से जुड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने कुछ नहीं कहा।

मिज़ोरम, ओडिशा और त्रिपुरा के ग्रामीण निकायों को केंद्र से 284 करोड़ की पहली किस्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने और पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने मिज़ोरम, ओडिशा और त्रिपुरा के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर वित्त वर्ष 2025-26 की पहली किश्त के रूप में 284 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी किया है। सबसे बड़ा हिस्सा ओडिशा को 240.81 करोड़ रुपये के रूप में मिला है, जो 6,085 ग्राम पंचायतों और 63 ब्लॉक पंचायतों के बीच वितरित होगा। मिज़ोरम की 827 ग्राम परिषदों को 14.27 करोड़ रुपये और त्रिपुरा को 29.75 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो 606 ग्राम पंचायतों, 35 ब्लॉक पंचायतों, आठ जिला परिषदों तथा राज्य की ग्राम समितियों और ब्लॉक सलाहकार समितियों में खर्च किए जाएंगे।

ईडी ने 5,590 करोड़ रुपये के कथित अस्पताल निर्माण घोटाले में आप पर कसा शिकंजा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में 24 अस्पतालों के निर्माण से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी सूत्रों ने कहा कि फिलहाल तेरह स्थानों पर तलाशी चल रही है। धन शोधन निवारण (पीएमएलए) मामला 2018-19 में हुए कथित दिल्ली अस्पताल निर्माण से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि निर्माण में देरी होने के कारण अस्पतालों की लागत बढ़ गई। 2018-19 में आप सरकार ने अस्पतालों के निर्माण को मंजूरी प्रदान की थी हालांकि परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकी।

भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किए जाएंगे : मोदी

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किये जायेंगे, साथ ही देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा।

श्री मोदी ने गुजरात में अहमदाबाद जिले के हांसलपुर में सुजुकी की 'ई-विटारा' इलेक्ट्रिक कार का अनावरण, ग्रीन मोबिलिटी पहल का उद्घाटन किया और कहा कि गणेशोत्सव की उत्सव भावना के बीच मेक इन इंडिया यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

आज से भारत में निर्मित इलेक्ट्रिक वाहन 100 देशों में निर्यात किये जायेंगे। साथ ही घोषणा की कि देश में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन भी शुरू होगा।

प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश चतुर्थी के उत्सव के बीच, भारत की 'मेक इन इंडिया' यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के साझा लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत और जापान की मैत्री को एक नया आयाम देता है, उन्होंने भारत, जापान और सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि भारत की सफलता की कहानी के बीज 12-13 साल पहले बोये गये थे, 2012 में, उनके मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, हांसलपुर में मारुति सुजुकी को ज़मीन आवंटित की गयी थी।

उस समय भी आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का दृष्टिकोण मौजूद था। वे शुरुआती प्रयास अब देश की वर्तमान आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने दिवंगत ओसामु सुजुकी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें मारुति सुजुकी इंडिया के लिए श्री ओसामु सुजुकी के दृष्टिकोण के व्यापक विशतार को देखकर खुशी हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले से नाखुश जस्टिस नागरत्ना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे और पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल एम पंचोली को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त करने की सिफारिश की थी, लेकिन इस सिफारिश पर जस्टिस बीवी नागरत्ना ने असहमति नोट दर्ज किया। उन्होंने कहा कि जस्टिस पंचोली की नियुक्ति न सिर्फ न्याय प्रशासन के लिए 'उल्टा असर' डालेगी, बल्कि कॉलेजियम सिस्टम की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करेगी। उनका विरोध खास तौर पर जस्टिस पंचोली के गुजरात हाईकोर्ट से पटना हाईकोर्ट तबादले की परिस्थितियों पर था।

पांच सदस्यीय कॉलेजियम में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना शामिल थे। इनमें चार ने जस्टिस पंचोली की सिफारिश का समर्थन किया, जबकि जस्टिस नागरत्ना ने असहमति जताई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस नागरत्ना ने मई में ही जस्टिस पंचोली के नाम पर आपत्ति जताई थी और उनकी जगह जस्टिस एनवी अंजारिया को सुप्रीम कोर्ट भेजा गया था।

अंजारिया वरिष्ठ भी थे और गुजरात हाईकोर्ट का प्रतिनिधित्व भी बनाए रखना ज़रूरी था। नागरत्ना को उम्मीद थी कि पंचोली का मामला खत्म हो गया है, लेकिन तीन महीने बाद फिर से सामने आने पर उन्होंने लिखित असहमति दर्ज कराई। जस्टिस नागरत्ना ने अपने नोट में कहा कि जस्टिस पंचोली का 2023 में गुजरात से पटना तबादला सामान्य नहीं था, बल्कि सोच-समझकर और कई जजों से राय लेकर किया गया था। उन्होंने इस तबादले से जुड़े गोपनीय दश्तावेज देखने की मांग की। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि पंचोली देशभर के हाईकोर्ट जजों की सीनियॉरिटी लिस्ट में 57वें स्थान पर हैं, जबकि उनसे कहीं वरिष्ठ और योग्य जज मौजूद हैं। उन्होंने प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठाया और कहा कि गुजरात हाईकोर्ट के दो पूर्व जज जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस अंजारिया सुप्रीम कोर्ट में पहले से ही हैं। ऐसे में तीसरे जज को उसी हाईकोर्ट से लाना संतुलन बिगाड़ देगा, जबकि कई हाईकोर्ट का कोई प्रतिनिधित्व ही नहीं है। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि अगर पंचोली को सुप्रीम कोर्ट भेजा गया तो वे अक्टूबर 2031 से मई 2033 तक चीफ जस्टिस बन सकते हैं।

बिहार एसआईआर : 26 दिन में सिर्फ एक पार्टी की आपत्ति, 6 दिन बाकी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया के संबंध में दैनिक बुलेटिन जारी किया है।

ईसीआई ने बताया कि 26 दिन बाद सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) की ओर से 10 आपत्तियां मिली हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, 1 अगशत 2025 (दोपहर 3 बजे) से 26 अगशत (सुबह 10 बजे) तक की अवधि में प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए अब केवल 6 दिन शेष हैं और इन 26 दिनों के दौरान सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट-लेंनिनिस्ट) (लिबरेशन) की तरफ से आपत्तियां मिली हैं, जिनका निपटारा 7 दिन में किया जाएगा। ईसीआई ने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से फॉर्म 6 (घोषणा-पत्र सहित) के तहत कुल 4,33,214 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इनका निश्तारण अभी शेष है। साथ ही, योग्य मतदाताओं को शामिल करने और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए ईआरओ द्वारा अब तक कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है।

इसके अलावा, मतदाताओं से सीधे प्राप्त दावों और आपत्तियों की संख्या 1,62,453 है, जिनमें से 17,516 का निश्तारण 7 दिनों के बाद किया गया है। नियमों के अनुसार, दावों और आपत्तियों का निश्तारण संबंधित ईआरओ या एआरओ द्वारा पात्रता सत्यापन और 7 दिन की नोटिस अवधि पूर्ण होने के बाद ही किया जाएगा।

भारत के विश्व गुरु बनने में है संघ की सार्थकता : भागवत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को यहां विज्ञान भवन में समाज के विविध क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ संगठन की सौ वर्षों की यात्रा पर संवाद की शुरुआत की।

तीन दिवसीय इस संवाद का विषय "100 वर्ष की संघ यात्रा : नए क्षितिज" रखा गया है। डॉ. भागवत ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र का विश्व में एक योगदान होता है और संघ की सार्थकता भारत के विश्व गुरु बनने में है। उन्होंने माना कि भारत के उत्थान की प्रक्रिया धीमी है, लेकिन यह निरंतर जारी है और संघ की यात्रा का लक्ष्य इसी भारत के उत्थान से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि संघ के बारे में अनेक चर्चाएं होती हैं, लेकिन प्रामाणिक जानकारी का अभाव है। उन्होंने कहा, "जो जानकारी है, वह भी अधिकतर परसेप्शन पर आधारित है, तथ्यपरक नहीं। हमारा उद्देश्य किसी को कनविंस करना नहीं, बल्कि संघ की सही जानकारी देना है। निष्कर्ष निकालना श्रोताओं का अधिकार है।"

उन्होंने 2018 में विज्ञान भवन में हुए अपने पिछले संवाद का जिक्र कर कहा कि तब भी यही भावना रही थी कि संघ को लेकर तथ्य सामने लाए जाएं। इस बार सौ वर्ष की यात्रा पूरी होने के बाद संगठन आगे किस दिशा में काम करेगा, इस पर दृष्टि साझा करना उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस बार संवाद केवल दिल्ली में ही नहीं, बल्कि देश के अन्य तीन स्थानों पर भी होगा ताकि ज्यादा लोग शामिल हो सकें। उन्होंने बताया कि 70-75 प्रतिशत प्रतिभागी नये लोगों को आमंत्रित किए गए हैं।

संघ के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डॉ. भागवत ने कहा, "संघ क्यों शुरू हुआ, कैसे बाधाओं के बीच स्वयंसेवकों ने इसे आगे बढ़ाया और आज सौ साल बाद भी नए क्षितिज की बात क्यों हो रही है— इसका उत्तर एक वाक्य में है। प्रार्थना के अंत में हम कहते हैं 'भारत माता की जय'। अपना देश है, उसकी जय-जयकार होनी चाहिए और उसे विश्व में अग्रगण्य स्थान मिलना चाहिए।"

कपिल ने कसा तंज कहा- बस इतना बता दीजिए साहब.. धनखड़ अस्पताल में हैं या योग कर रहे?

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसा है। उन्होंने चुटीले अंदाज में पूछा है कि साहब ज्यादा कुछ नहींबस इतना बता दीजिए कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहां है। वे किसी अस्पताल में इलाज करा रहे हैं या फिर कहीं योगा कर रहे हैं।

सिब्बल ने इस बारे में सोशल मीडिया पर लापता धनखड़ शीर्षक दे अमित शाह से सवाल पूछे हैं। सिब्बल ने लिखा है, लापता धनखड़ अमित शाह जी: मुझे मालूम है कि आप असत्य से दूर रहते हैं। हमें इतना तो बता दीजिए कि धनखड़ जी क्या: हॉस्पिटल में हैं या फिर योग कर रहे हैं? या फिरटेबल टेनिस खेल रहे हैं?

हाल ही में अमित शाह ने जगदीप धनखड़ के इश्तीफे पर खुलकर बात की थी और कहा था कि उन्होंने अपने स्वास्थ्य के चलते उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा दिया था और इसमें किसी को कुछ खोजने की जरूरत नहीं है।

लगे हाथ शाह ने कहा था कि संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ जी ने अच्छा काम किया था। बता दें कि धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इश्तीफा दे दिया था। उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल 10 अगशत 2027 को समाप्त होना था।

अब उनके उत्तराधिकारी को चुनने

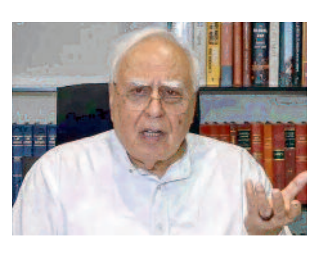

के लिए नौ सितंबर को चुनाव होने हैं।

केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को उनके खिलाफ मैदान में उतारा है।

कछ दिनों पहले ऐसी खबर आई थी कि पिछले महीने उपराष्ट्रपति पद से अचानक इश्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ अपने परिवार के साथ समय बिताने के साथ ही नियमित रूप से योगाभ्यास कर रहे हैं और टेबल टेनिस खेल रहे हैं।

अगशत 2022 में उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब उन्होंने शौकिया टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था।

धनखड़ की दिनचर्या से वाकिफ लोगों ने बताया कि वह नियमित रूप से योग अभ्यास करते हैं और उपराष्ट्रपति एनक्लेव में अपने शुभचिंतकों व स्टाफ सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते हैं।

एनजीटी के फैसले पर भड़के सीजेआई बोले- ईडी जांच और पैसे वसूलने का नहीं दे सकते आदेश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने 22 अगशत को अपने फैसले में कहा कि हालांकि कंपनी से पर्यावरणीय उल्लंघन हुए हैं, लेकिन उसके वार्षिक टर्नओवर के आधार पर लगाया गया जुर्माना कानूनी आधार के अनुकूल नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पर्यावरण मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए मुरादाबाद स्थित हश्तशिल्प निर्यातक सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट लिमिटेड पर जुर्माना लगाने वाले एनजीटी के 145 पन्नों के फैसले की भी आलोचना की।

अदालत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि विवेक का इश्तेमाल उपयोग में लाए गए पन्नों की संख्या के अनुपात में नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मानदंडों के उल्लंघन में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित एक हश्तशिल्प निर्यातक पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश को खारिज कर दिया है।

इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा है कि कानून का शासन राज्य या उसकी एजेंसियों को पर्यावरण मामलों में 'एक दमड़ी भी' वसूलने की अनुमति नहीं देता है। शीर्ष न्यायालय ने निर्यातक के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को धन शोधन के मामले (पीएमएलए) में जांच का आदेश देने वाले फैसले को भी निरश्त कर दिया और कहा कि यह उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अवैध तमंचा कारतूस रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अकराबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त सूरज पुत्र कमल सिंह निवासी पनैठी थाना अकराबाद जनपद अलीगढ़ को एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर सहित गायत्री कोल्ड स्टोर के पास खाली प्लाट में जाने वाले रास्ते पर से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने दो शातिर अभियुक्त किये गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्र रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना बन्नादेवी पुलिस टीम ने दो शातिर अभियुक्त हर्ष वर्मा पुत्र योगेन्द्र वर्मा निवासी चावड गेट पुरानी छिपेटी थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस व रोहित पुत्र रामवीर निवासी चावड गेट पुरानी छिपेटी थाना हाथरस गेट जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व दो खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल होण्डा शाइन बिना नंबर प्लेट के साथ नुमाइश ग्राउण्ड से गिरफ्तार किया।

नशीला पदार्थ सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी व बिक्री करने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त फईम उर्फ बाबा पुत्र स्व0 अकील मौहम्मद निवासी गली नं0 08 जीवनगढ़ थाना क्वार्सी जनपद अलीगढ़ को 1600 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा सहित एटा बाईपास शताब्दी नगर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया।

क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को प्रातः 11 बजे से प्रमुख क्षेत्र पंचायत इगलास की अध्यक्षता में विकास खण्ड इगलास परिसर में आहुत की जाएगी। खण्ड विकास अधिकारी इगलास चौतन्य कुमार पाठक ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, ग्रामीण पेयजल, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, पंचायत घर निर्माण, कृषि, लघु सिंचाई, नहर विभाग, राजकीय नलकूप, बाल विकास, एनआरएलएम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, शिक्षा, सहकारिता, पशुधन, युवा कल्याण, भूमि संरक्षण पेयजल, मत्स्य, दुग्ध समेत अन्य विभागों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य इगलास एवं ग्राम प्रधानों को सूचित करते हुये अनुरोध किया है कि वह नियत समय व स्थान पर बैठक में प्रतिभाग करें।

टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा, जैन कार्ड इंडस्ट्रीज के पक्ष में धनराशि आवंटित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷ । उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेन्टिंग पॉलिसी-2017 के तहत सुपर मेगा श्रेणी की वस्त्र इकाई मैसर्स जैन कार्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मथुरा के पक्ष में शासन से 21.50 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। सहायक आयुक्त हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग अलीगढ़ परिक्षेत्र देवेन्द्र कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इकाई ने हथकरघा क्षेत्र में 134 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके सापेक्ष शासन स्तर से गठित समिति की संस्तुति पर 19.18 करोड़ पूंजीगत उपादान एवं 2.31 करोड़ ब्याज उपादान की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल एवं गारमेन्टिंग पॉलिसी-2022 संचालित है।

अब मकान मालिक कराएंगे किराएदारों का पुलिस वेरिफिकेशन

गाजियाबाद में नए नियम

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा को नए प्रारूप में लागू किया है। अब मकान मालिक को किरायेदार रखने से पहले खुद ही संबंधित थाने में उसका सत्यापन कराना होगा। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थान की 100 मीटर परिधि में तंबाकू उत्पादों के बेचने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। वहीं, पहचान-पत्र के सिम देने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

एडिशन सीपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि कमिश्नरेट में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए निषेधाज्ञा को नए प्रारूप में लागू किया गया है। नए नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को कांचयुक्त मांझा बेचने की मनाही होगी। पटाखों आदि के बेचने, भंडारण और उत्पादन पर रोक लगाई गई है। सिम कार्ड विक्रेताओं को कहा गया है कि वह सिम बेचने का रिकॉर्ड रजिस्टर में रखें। मोबाइल के साथ-साथ अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरण खरीदने वाले ग्राहकों का रिकॉर्ड अपने पास रखें। स्क्रैप डीलरों व एजेंट्स से कहा गया है कि वह अपने गोदाम पर सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाएं। साथ ही स्क्रैप की खरीद-फरोख्त का रिकॉर्ड भी रखें। साइबर कैफे संचालकों को भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि वह किसी अनजान व्यक्ति को कंप्यूटर सिस्टम या लैपटॉप का इस्तेमाल न करने दें।

एंबुलेंस समय से पहुंचती तो बच सकती थी चार दोस्तों की जान, ग्रेटर नोएडा में हुआ था एक्सीडेंट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत के मामले में मृतकों के परिजन और दोस्तों का आरोप है कि हादसे की सूचना मिलने के आधे घंटे बाद एंबुलेंस पहुंची। चारों को मृत मानकर बेतरतीब तरीके से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। दावा है कि तीन युवकों की सांस चल रही थी। यदि एंबुलेंस सही समय पर पहुंचती तो उनकी जान बच सकती थी।

कुलेसरा निवासी शिवम का कहना है कि हादसे बाद वह घटना स्थल के पास से गुजर रहे थे। उन्होंने मौके पर भीड़ को देखा तो वह रुक गए। वहां चार लड़के लहूलुहान अवस्था में सड़क पर पड़े थे। सभी लोग एंबुलेंस का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वहां एंबुलेंस पहुंची तो लोगों ने कहा कि सूचना देने के करीब आधे घंटे बाद एंबुलेंस पहुंची है। तभी उन्होंने चारों को उठवाकर एंबुलेंस में रखवाया।

शिवम का दावा है कि चारों को मृत मानकर एक ही एंबुलेंस में एक के ऊपर दूसरे को लिटा दिया गया। खून से लथपथ युवकों के इधर-उधर लटके हुए थे।

उनका दावा है कि जब वह उठाकर उन्हें एंबुलेंस में रखवा रहे थे तो तीन की सांसें चल रही थीं। सुमित और लवकुश के दोस्त लक्ष्य का कहना है कि सिर्फ सुमित की मौके पर मौत हो गई थी। लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर की सांसें चल रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिम्मेदार लोग चारों को लेकर 15 से 20 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

यदि उन्हें नजदीकी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया जाता तो आज तीनों जिंदा होते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चारों को मृत मानते हुए एंबुलेंस में लाद दिया गया।

मुख्यमंत्री सुक्खू की भाजपा को खुली चुनौती

अगर संदेह है तो सीबीआई या ईडी में शिकायत दर्ज कराएं

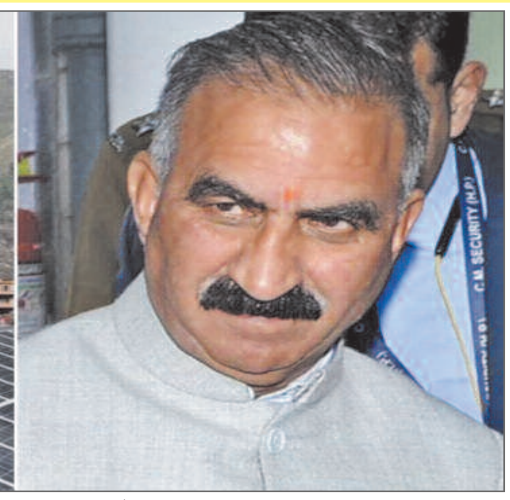

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को पेखुबेला सौर परियोजना में भ्रष्टाचार का संदेह है तो वह सीबीआई या ईडी में शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में पेखुबेला सौर परियोजना में भ्रष्टाचार और कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को भाजपा को खुली चुनौती दी। सीएम सुक्खू ने कहा कि अगर भाजपा को किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या कार्यान्वयन कंपनी को किसी तरह का फायदा पहुंचाने का संदेह है तो वह सीबीआई और ईडी में शिकायत दर्ज कराए।

इस मुद्दे पर भाजपा के विक्रम सिंह द्वारा शुरू की गई चर्चा का जवाब देते हुए सुक्खू ने कहा कि 32 मेगावाट की यह परियोजना डूबी नहीं है, बल्कि भारी बारिश के कारण इसका संचालन रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना 15 सितंबर से चालू हो जाएगी।

परियोजना की क्रियान्वयन कंपनी को लाभ पहुंचाने के आरोपों से इनकार करते हुए सुक्खू ने कहा कि कंपनी के लंबित भुगतान रोक दिए गए हैं। इसमें बैंक गारंटी भी शामिल है। परियोजना का संचालन हिमाचल प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार के एक सार्वजनिक उपक्रम द्वारा तैयार की गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सिंह को पेखुबेला परियोजना को लेकर कुछ डर हो गया है। विक्रम सिंह ने कहा था कि पेखुबेला परियोजना की परिकल्पना क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए की गई थी।

गुरुग्राम में 9 करोड़ की डकैती के मास्टरमाइंड का सरेंडर, इंस्टाग्राम से बनाया था 10 लोगों का गैंग

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में शीतला माता रोड स्थित मणपुरम गोल्ड लोन ब्रांच में हुई 9 करोड़ की डकैती के मास्टरमाइंड विजय कुमार ने सोमवार को हरियाणा के चरखी दादरी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसके खिलाफ चरखी दादरी में भी कई मामले दर्ज हैं। उन मामलों में चरखी दादरी पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर जांच करेगी। जांच पूरी होने के बाद सितंबर में गुरुग्राम पुलिस मास्टरमाइंड को प्रोडक्शन वारंट पर लेगी। मामले में आगामी जांच करेगी। आरोप है कि मणपुरम में डकैती के उसने इंस्टाग्राम से दस लोगों का एक गैंग तैयार किया था। दूसरी ओर, एक सप्ताह पहले गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों के रिमांड की प्रक्रिया पूरी होने पर उनको कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों से रिमांड के दौरान सोने के कुछ जेवरात और वारदात में इस्तेमाल की गई बोलेरो कार पुलिस बरामद कर चुकी है।

मण्डलायुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा में दिए कड़े निर्देश, लापरवाही पर होगी सख्ती

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मण्डलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में आयोजित मण्डलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक में गौ आश्रय स्थल, उर्वरक वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, आवास, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, सौर ऊर्जा एवं निर्माण परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई।

आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में नोडल अधिकारियों को संवेदनशीलता अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि विकास कार्यों की रैंकिंग में मण्डल प्रदेश में 5वें स्थान पर रहा है। जिलों में हाथरस 13वें, एटा 22वें, जबकि अलीगढ़ व कासगंज 32वें पायदान पर रहे। मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को चेताया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर निदेशक पशुपालन डॉ0 प्रमोद कुमार ने अवगत कराया कि मण्डल के 228 गौ आश्रय स्थलों में 56,314 गौवंश संरक्षित हैं। अलीगढ़ और कासगंज में 2-2 वृहद गौ संरक्षण केंद्र शीघ्र ही पूर्ण हो जाएंगे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अस्थाई गौवंश शिफ्ट करने से पूर्व कार्ययोजना तैयार कर ली जाए।

संयुक्त निदेशक कृषि ने उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की जानकारी दी, जिस पर कमिश्नर ने नियम विरुद्ध वितरण पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राथमिक शिक्षा की समीक्षा में उन्होंने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं नामांकन वृद्धि पर बल दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सीएसआर के माध्यम से सोलर हीटर लगाए जाने के निर्देश दिए।

नेडा के प्रभारी ने अवगत कराया कि सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने की प्रक्रिया गतिमान है। कमिश्नर ने विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहे विद्युत तारों को प्राथमिकता से हटाने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की जिंदगी को खतरे से सुरक्षित किया जाए। एडी बेसिक ने बताया कि मण्डल के 782 विद्यालयों का युग्मिकरण किया गया है। कमिश्नर ने जर्जर विद्यालयों में शिक्षण कार्य न होने देने एवं युग्मिकरण के उपरांत खाली विद्यालय भवन में बाल वाटिकाएं व अन्य शैक्षिक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को 48 घंटे में भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वर्तमान में 67.69 प्रतिशत भुगतान ही पाया गया। कमिश्नर ने सभी जिलाधिकारियों को 70 वर्ष से अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों के आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए। पंचायतीराज विभाग की समीक्षा में पाया गया कि मण्डल के 74 प्रतिशत ग्राम ओडीएफ प्लस सत्यापित हो चुके हैं। पंचायत भवनों में कॉमन सर्विस सेंटरों के माध्यम से जुलाई माह तक 31,46,220 की आय हुई। डिजिटल लाइब्रेरी के 544 केंद्र बनाए जाने हैं, जिसमें अलीगढ़ और एटा ने कार्यादेश निर्गत कर दिया है। हाथरस और कासगंज में प्रक्रिया शेष है।

मण्डल में 45 अंत्येष्टि स्थल एवं पंचायत उत्सव भवनों के लिए स्थल चयन का कार्य प्रगति पर है। आवास प्लस सर्वे में 63,674 पात्र लाभार्थियों की पहचान की गई है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं में नेट मीटरिंग का कार्य समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में कासगंज को और कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष में 2810 आवेदन अपलोड किए गए, जिनमें से 1282 को स्वीकृति मिल चुकी है। प्रत्येक जिले में अन्नपूर्णा दुकानें स्थापित करने के निर्देश दिए गए। एक वर्ष से लंबित निर्माण परियोजनाओं पर भी समीक्षा हुई। कार्यदाई संस्था ने बताया कि निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विद्युत संयोजन के लिए धनराशि जमा कर दी गई है, जिस पर विद्युत विभाग को शीघ्र एस्टीमेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

रिमझिम फुहारों से दिल्ली-एनसीआर हुआ कूल-कूल

भादों में भी लगी सावन जैसी झड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में रिमझिम फुहारों से मौसम कूल-कूल हो गया है। इस बार भादों के महीने में भी सावन जैसी झड़ी लगने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। राजधानी के इंडिया गेट और अक्षरधाम समेत कई हिस्सों में मंगलवार सुबह से ही रुक-रुक कर हल्की बारिश या बूंदाबादी जारी है। इस बीच, पहाड़ी राज्यों में जारी बेकाबू बारिश से दिल्ली में यमुना नदी एक बार फिर खतरे के निशान के पास पहुंच गई है। मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से मंगलवार को अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21-23 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान जताया गया है। आईएमडी का अनुमान है कि आज दिनभर बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबादी हो सकती है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से आज के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

सोमवार को भी होती रही हल्की बारिश- दिल्ली के लोगों को सोमवार को भी हल्की बादल-बारिश ने उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी। कल अधिकतम तापमान भी सामान्य से पांच डिग्री नीचे रहा।

सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड पर भड़कीं आतिशी

कहा -मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए छापेमारी की गई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड से पूर्व सीएम आतिशी भड़क उठीं। कथित अस्पताल घोटाले में लगे आरोपों की वजह से केंद्रीय जांच एजेंसी की छापेमारी को आतिशी ने पीएम मोदी की डिग्री से जोड़ दिया। आतिशी ने कहा कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए यह छापेमारी की गई है।

सौरभ भारद्वाज अरविंद केजरीवाल के बाद आतिशी सरकार में भी मंत्री थे। भारद्वाज पर ईडी की छापेमारी के बाद आतिशी ने एक्स पर लिखा, आज सौरभ जी के यहां रेड क्यों हुई? क्योंकि पूरे देश में मोदी जी की डिग्री पर सवाल उठ रहे हैं- क्या मोदी जी की डिग्री फर्जी है? इस चर्चा से ध्यान हटाने के लिए ही रेड डाली गई है। गौरतलब है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने एक दिन पहले ही केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक की डिग्री से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया था।

आतिशी ने कहा कि जिस समय का केस बताया जा रहा है, उस समय सौरभ जी मंत्री भी नहीं थे। यानी पूरा केस ही झूठा है। नेता विपक्ष आतिशी ने आगे कहा, सत्येंद्र जी को भी तीन साल जेल में रखकर आखिरकार सीबीआई/ईडी को क्लोजर रिपोर्ट देनी पड़ी। इससे साफ है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं पर लगाए गए सारे केस सिर्फ झूठ और राजनीति से प्रेरित हैं। हालांकि, सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के एक अलग मामले में जेल में बंद रखा गया था और क्लोजर रिपोर्ट एक दूसरे मामले में दाखिल की गई है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत सौरभ भारद्वाज और अन्य से जुड़े परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। संघीय जांच एजेंसी ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत दिल्ली में एक दर्जन स्थानों पर छापेमारी की।

भाजपा सांसद मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए, खुद को बताया निर्दोष

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सांसद नारायण राणे ने 2023 में उनकी टिप्पणी को लेकर शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत द्वारा दायर किए गए मानहानि के मामले में मुंबई की एक अदालत के समक्ष खुद को सोमवार को निर्दोष बताया। राणे द्वारा खुद को निर्दोष बताए जाने के बाद, इस मामले में मुकदमे की कार्यवाही 11 नवंबर से मजिस्ट्रेट अदालत में गवाहों के बयान के साथ शुरू होगी। राउत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन पर 15 जनवरी 2023 को उपनगर भांडुप में आयोजित कोंकण महोत्सव के दौरान उनके बारे में ''अपमानजनक, दुर्भावनापूर्ण और झूठे'' बयान देने का आरोप लगाया गया था।

नारायण राणे क्या कहा था?

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कथित तौर पर कहा था कि राउत का नाम मतदाता सूची में नहीं है और यह कि जब वह (राणे) अविभाजित शिवसेना में थे, तब उन्होंने राउत को राज्यसभा में निर्वाचित कराने में मदद की थी। राउत ने राणे के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत कार्रवाई की मांग की थी।

सोमवार को पेश हुए थे भाजपा सांसद- भाजपा के वरिष्ठ नेता अपने वकील के साथ न्यायिक मजिस्ट्रेट (मझगांव अदालत) एए कुलकर्णी के समक्ष सोमवार को पेश हुए और खुद को निर्दोष बताया। इससे पहले मजिस्ट्रेट अदालत ने अप्रैल में शिकायत का संज्ञान लेते हुए तटीय महाराष्ट्र के रत्नागिरि-सिंधुदुर्ग से भाजपा सांसद को समन जारी किया था। राणे ने विशेष एमपी/एमएलए अदालत में समन को चुनौती देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ कोई मानहानि का मामला नहीं बनता।

मनीष सिसोदिया पर कांग्रेस ने की एफआईआर की मांग

बोली- लड़ाई-झगड़ा के लिए तैयार वाला बयान भड़काऊ

मोहाली, एजेंसी। पंजाब के मोहाली जिले की कांग्रेस यूनिट ने आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उकसाने वाला भाषण देने का आरोप लगाते हुए सिसोदिया के खिलाफ यह मांग की गई है। कांग्रेस की जिला कमेटी का आरोप है कि मनीष सिसोदिया ने उकसाने वाला और कानून तोड़कर काम करने की अपील वाला भाषण दिया है। जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह जीती और अन्य कांग्रेस नेताओं ने जिलाधिकारी और एसएसपी को ज्ञापन देकर यह मांग की है। अधिकारियों से मिलकर ज्ञापन देने वाले नेताओं में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू भी शामिल थे।

आम आदमी पार्टी की पंजाब यूनिट से जुड़े एक कार्यक्रम में मनीष सिसोदिया ने चुनाव का जिक्र किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि 2027 का चुनाव आ रहा है। हमें तैयारी करनी है। उन्होंने कहा, 2027 का चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल-जवाब, लड़ाई-झगड़ा, जो करना पड़ेगा, करने के लिए तैयार हैं? पूरे जोश के साथ? उनके इस सवाल पर आप कार्यकर्ताओं ने हां में जवाब दिया था। इस पर सिसोदिया ने कहा- बहुत अच्छा। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ है। यहां तक कि आप की पंजाब यूनिट के नेता अमन अरोड़ा ने भी उनके बयान को गलत बताया और कहा कि पार्टी की लाइन इससे अलग है।

चोरों ने खंगाला मोदीनगर तहसील रजिस्ट्री ऑफिस

रातभर में दिया घटना को अंजाम, वकीलों में रोष

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

बीती रात चोरों ने मोदीनगर तहसील कार्यालय में जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने रजिस्ट्री कार्यालय की दीवार में कुंबल किया और आरके कार्यालय के ताले तोड़कर घटना को अंजाम दिया। दोनों कार्यालयों में दस्तावेज फैले मिले। अंदर से जमीनी दस्तावेज चोरी होने की आशंका है लेकिन अधिकारी इससे इंकार कर रहे हैं।

अधिकारियों का दावा है कि बदमाश रजिस्ट्री कार्यालय में रुपये चोरी करने आए थे। लेकिन वे तिजोरी तोड़ने में असमर्थ रहे। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना को लेकर वकीलों में रोष है। उन्होंने पुलिस कार्यशैली पर सवाल खड़े किये हैं।

मोदीनगर तहसील में प्रथम तल पर रजिस्ट्री कार्यालय है, जहां जमीनों के बैनामे आदि होते हैं। जबकि भूतल पर आरके(रजिस्ट्रार-कानूनगो) कार्यालय है। यहां पर जमीनी विवाद को लेकर विचाराधीन कोर्ट के मामले आदि की फाइलें होती हैं। सोमवार शाम को तहसील के कर्मचारी कार्यालयों के ताले लगाकर घर चले गए थे। रात के समय कुछ चोर रजिस्ट्री कार्यालय पर पहुंचे और दीवार में कुंबल के राश्ते कार्यालय में दाखिल हुए। अंदर जाकर जमकर उत्पात मचाया।

उन्होंने तिजोरी तोड़ने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिलने पर नीचे आरके कार्यालय में पहुंचे। मुख्य गेट का ताला तोड़ा और अंदर रखी फाइलें खंगाली। अंदेशा है कि चोरों ने किसी बड़े जमीनी विवाद से जुड़ी फाइल को तलाशने के लिए वारदात को अंजाम दिया। मंगलवार सुबह जब कर्मचारी तहसील पहुंचे तो दीवार में कुंबल देख हैरत में पड़ गए।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। कुछ ही देर में एसडीएम व सब रजिस्ट्रार भी मौके पर पहुंचें और चोरी हुए दस्तावेजों को लेकर जानकारी जुटाई। अधिकारियों का दावा है कि कोई फाइल या दशतावेज चोरी नहीं हुआ है।

घटना के बाद वकील भी आक्रोशित दिखे। उन्होंने पुलिस कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए तहसील में प्रदर्शन किया।

बार एसोसिएशन मोदीनगर के पूर्व अध्यक्ष उत्तम त्यागी ने कहा कि कुछ दिन पहले एसीपी कोर्ट के बराबर में वकील के चैंबर में चोरी हुई।

कई चैंबर के ताले तोड़े गए। अब तहसील तक भी बदमाश आ गए। ऐसे में साफ है कि पुलिस की सक्रियता क्षेत्र में नहीं है। जिसका फायदा बदमाश उठा रहे हैं। सप्ताह में यदि घटना का पर्दाफाश नहीं हुआ तो आंदोलन होगा।

अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय रजिस्ट्री कार्यालय की तिजोरी में 12.46 लाख नकद थे। बदमाशों ने तिजोरी को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। तहसील में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो बदमाश कैद हुए हैं। पुलिस उन्हें ट्रेस करने की कोशिश में जुटी है।

चाकू रखने पर कोर्ट ने सुनाई 200 रुपये जुर्माने की सजा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज सिंह की कोर्ट संख्या सात में चाकू रखने में दोषी पाए गए व्यक्ति को 200 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। जुर्माना जमा नहीं करने पर दो दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपित पर चार वर्ष से कोर्ट में केस चल रहा था। आखिरकार सोमवार को सुनवाई के दौरान उसने कोर्ट में कहा कि हां वह मुजरिम है। वह गरीब व्यक्ति है उसे कम से कम सजा दी जाए। दो जून 2021 को टीला मोड़ पुलिस कोरोना के दौरान नियमों का पालन कराने के लिए गश्त रही थी। तभी पुलिस को वजीराबाद रोड के किनारे युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उन्हें देखा तो वह भागने की कोशिश करने लगा। युवक को पुलिस ने पकड़ लिया। उसकी पहचान दिल्ली के सीमापुरी के 18 वर्षीय शाकिब के रूप में हुई। उसकी पेंट में चाकू बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दावा किया कि वह मोबाइल छीनने के उद्देश्य से खड़े हुए थे। इसके चलते पुलिस ने आर्म्स एक्ट 4/25 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन लगा था।

नूरपुर कस्बा इंचार्ज और सिपाही लापरवाही बरतने पर हुए निलंबित

✷ एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷। जनपद बिजनौर के नूरपुर थाने में एक किशोर की अवैध तमंचे के साथ फोटो वायरल होने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस अधीक्षक ने कस्बा चौकी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा और आरक्षी अंकित को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मामले में थाना प्रभारी जयभगवान सिंह समेत तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण की जांच रिपोर्ट में पाया गया कि पुलिसकर्मियों ने उच्चाधिकारियों को सूचित किए बिना मामले में लापरवाही बरती। पुलिस अधीक्षक ने जनपद के सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी तरह की लापरवाही या स्वेच्छाचारिता नहीं होनी चाहिए। ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वाइक व स्कूटी की टक्कर से स्कूटी सवार की मौके पर मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। थाना नगीना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पुरैनी के पास पर वर्णित गोयल पुत्र संजय गोयल निवासी मो0 पहाड़ी दरवाजा कस्बा व थाना धामपुर जनपद बिजनौर (उम्र करीब 32 वर्ष), अपनी स्कूटी से धामपुर से नगीना जा रहे थे, पीछे से एक मोटरसाइकिल सवार 03 व्यक्ति- 1. उमेशचन्द पुत्र छंगा सिंह 2. योगेन्द्र पुत्र लाल सिंह 3. सुरजमणी पुत्र कुलमणी निवासीगण ग्राम निजामपुर देवसी थाना नगीना जनपद बिजनौर की मोटरसाइकिल, स्कूटी में टकरा गयी जिससे स्कूटी सवार वर्णित उपरोक्त व मोटरसाइकिल सवार तीनो व्यक्ति घायल हो गए। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल उपचार हेतु सीएचसी नगीना भेजा गया, जहां उपचार के दौरान स्कूटी सवार वर्णित उपरोक्त की मृत्यु हो गई, अन्य व्यक्ति उपचाराधीन है। पुलिस द्वारा पंचायतनामा आदि की कार्यवाही की जा रही है। मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

अरशद अंसारी का 48 वां जन्मदिन चांदपुर में धूमधाम से मनाया गया।

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। चांदपुर नगर पालिका परिषद पूर्व चेयरपर्सन फहमीदा बेगम के पुत्र पूर्व प्रत्याशी एवं चर्चित समाजसेवी अरशद अंसारी का 48 वां जन्मदिन सैकड़ो समर्थकों ने उत्साह और जोश के साथ केक काटकर मनाया। दरअसल जनपद बिजनौर के चर्चित वरिष्ठ समाजसेवी अरशद अंसारी आज 48 साल के हो गए हैं। उनके सैकड़ो समर्थकों ने नगर के मोहल्ला मुफ्ती सराय उनके निवास स्थान पर अरशद अंसारी का जन्मदिन वक़ार अंसारी, मास्टर शमीम अंसारी, सेठ शमीम, मास्टर फ़क़रूद्दीन, मोहम्मद यूनुस, अजमल अंसारी, इरफान अंसारी, शेख इज़माल, इमरान अंसारी, समीर सईद, मोहम्मद आरिफ, अमीर आजम, आमिर, मसरूर पहलवान, जावेद बख्त, शाकिब शेख़ मुहम्मद अरशद,जावेद अंसारी वसीम अंसारी, शाहिद भाई, दानिश मुमताज़, जैद शेख़, जैद अंसारी, नाज़िम अंसारी, राजू, शाहरुख इदरीसी, यामीन मामा, बब्बू, वकील, वसीम, अदनान, सुहैल आदि सैकड़ो समर्थकों ने के काटकर उत्साह और जोश के साथ बनाया ।

विभागीय प्रतियोगिताओं में नगीना के छात्र -छात्राओं ने मारी बाजी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नगीना, बिजनौर के छात्र -छात्राओं ने धामपुर में आयोजित विभागीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसमें शिशु वर्ग की छात्रा छवि ने क्रमशः ऊंची कूद में प्रथम व 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान, यशिका पाल ने 400 मीटर दौड़ में द्वितीय व लंबी कूद में तृतीय स्थान, मानसी ने 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान, भैया आकाश ने गोला फेंक व ऊँची कूद में द्वितीय स्थान, कुलदीप ने 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान व लक्ष्य ने गोला फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार शिशु वर्ग में कुल नौ मेडल प्राप्त कर एक बार फिर से अपने विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार नजीबाबाद में आयोजित वैदिक गणित प्रश्न मंच प्रतियोगिता (बाल वर्ग,किशोर वर्ग) में छात्र भविष्य कुमार, मौलिक मिश्रा, छात्रा देवकी आदि ने तृतीय स्थान और गणित व नवाचारित प्रदर्श (तरूण वर्ग) में छात्रा छवि चौहान व निकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपना परिचय कराया।

सपा अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल का हुआ भव्य स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। सपा अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती का पूर्व चेयरमैन हाजी अख्तर जलील के निवास पर भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने इमरान उर्फ सनी अख्तर को भविष्य का सफल नेता बताया और कहा कि जनता भाजपा की झूठ, महंगाई व बेरोजगारी से तंग आ चुकी है, अब सूबे में सपा की सरकार बनेगी।

ताजपुर की बेटी ने किया कमाल एमबीबीएस में चयन पर हुई सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

बिजनौर जनपद के ताजपुर गांव की बेटी शैंकी पुत्री बृजेश कुमार ने कठिन

परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद प्रतिष्ठित मेडिकल परीक्षा में शानदार रैंक हासिल कर एमबीबीएस सीट पर चयन पाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

शैंकी के इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर समाजवादी युवजन सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव एवं जिला पंचायत क्षेत्र नूरपुर वार्ड-6 के भावी प्रत्याशी सरफराज़ सिद्दीकी ने उनके घर पहुंचकर सम्मानित किया। उन्होंने शाल ओढ़ाकर और संविधान निर्माता बाबा साहिब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंटकर बेटी और परिवार को बधाई दी।

सरफराज़ सिद्दीकी ने कहा "यह बाबा साहिब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान की ताक़त है, जिसकी बदौलत समाज के सबसे निचले पायदान पर जीवन बिताने वाला भी शिक्षा और मेहनत से बराबरी का हक़, अधिकार और सम्मान पा सकता है। ताजपुर की बेटी शैंकी ने यह सिद्ध कर दिखाया है।"

इस अवसर पर कासिम सिद्दीकी, तारिक अंसारी, शकील अंसारी, गुफरान अंसारी, नईम एडवोकेट और मुजाहिद फारूकी सहित कई लोग मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में शैंकी की इस सफलता पर खुशी का माहौल है

पत्रकारों के लिए स्वतंत्र कार्यालय की मांग

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

नगर के पत्रकारों ने प्रेस क्लब स्योहारा के बैनर तले जिलाधिकारी बिजनौर को एक ज्ञापन थाना प्रभारी स्योहारा के माध्यम से प्रेषित किया।

ज्ञापन में प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने मांग की कि नगर के पत्रकारों के पास अब तक कोई स्वतंत्र कार्यालय उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते पत्रकारिता से जुड़ी गतिविधियों के संचालन में दिक्कतें आती हैं।

पत्रकारों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकार समाज जनहित के मुद्दों को प्रशासन तक पहुँचाने और सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने में अपनी अहम भूमिका निभाता है।

लेकिन खेद है कि स्योहारा में पत्रकारों के पास अभी तक कोई निर्धारित स्थान नहीं है, जहाँ वे सामूहिक रूप से बैठकर अपनी पत्रकारिता गतिविधियों को अंजाम दे सकें। ज्ञापन में मांग की गई कि जिला पंचायत की दुकानों में से किसी एक दुकान को प्रेस क्लब स्योहारा को कार्यालय हेतु आवंटित किया जाए, ताकि पत्रकार समाज संगठित रूप से कार्य कर सके। प्रेस क्लब अध्यक्ष शारिक ज़ैदी और महामंत्री नजम सिद्दीकी ने विश्वास जताया कि जिलाधिकारी महोदया इस मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र ही सकारात्मक निर्णय लेंगी।

इस अवसर पर प्रेस क्लब के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. वीरेंद्र कुमार पुष्पक, फहीम ज़ैदी, अध्यक्ष शारिक ज़ैदी, महामंत्री नजम सिद्दीकी, मोहम्मद आलम, नसीम अहमद, इमरान अहमद, दिलशाद अहमद, प्रशांत रस्तोगी, सर्वेंद्र रस्तोगी, अमीन अहमद, कामिल हसन उर्फ टिंकू, संजय शर्मा समेत कई पत्रकार मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दो साल तक बनाता रहा शारीरिक संबंध, युवती ने सिपाही पर लगाए आरोप

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

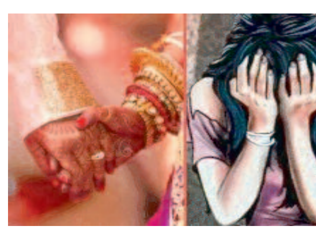

शहर के नंदग्राम थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने उत्तर प्रदेश पुलिस के एक ट्रेनी सिपाही पर शादी का झांसा देकर दो साल तक शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगातया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता का कहना है कि पुलिस में चयन होने के बाद आरोपी युवक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया है। नंदग्राम थाना क्षेत्र स्थित एक सोसायटी में अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई कर रही युवती का आरोप है कि दो साल पहले उसकी दोशती बड़ौत के बिराल निवासी रजत कुमार से हुई।

रजत ने युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और दो साल तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस में चयन होने के बाद युवक बिजनौर में प्रशिक्षण ले रहा है। चयन होने के बाद युवक ने शादी से इनकार कर दिया और कहा कि उसके माता-पिता ने उसकी शादी किसी दूसरी युवती से तय कर दी है। परेशान युवती 26 जुलाई को बिजनौर पहुंची और पुलिस से शिकायत की।

युवक को जब इसकी जानकारी हुई तो उसने अपने माता-पिता को युवती के घर भेजा। युवती का आरोप है कि उसकी मां को धमकाया गया है। परेशान होकर पीड़िता ने नंदग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

बिजली दफ्तर पर किसानों का धरना

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

चांदपुर में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओं ने बिजली दफ्तर पर धरना दिया। मोहल्ला सराय रफी की दतियाना कॉलोनी में केवल 6 घंटे बिजली आपूर्ति होने से स्थानीय लोग परेशान थे।

भाकियू टिकैत ब्लॉक जलीलपुर के ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी कल्याण सिंह के नेतृत्व में किसानों ने प्रदर्शन किया। उनकी मुख्य मांग थी कि जंगलों की लाइन से मिलने वाली बिजली सप्लाई को शहर से जोड़ा जाए।

बिजली विभाग के अधिकारियों ने किसानों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। विभाग ने दतियाना कॉलोनी में तुरंत 18 घंटे बिजली आपूर्ति शुरू करने की बात कही। इस आश्वासन के बाद किसान संगठन ने धरना समाप्त कर दिया।

भाकियू के नेताओं ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अब धरना स्थल पर न पहुंचें क्योंकि उनकी सभी मांगें मान ली गई हैं।

बड़ी मंडी स्थित थोक व्यापारी की दुकान में चोरी का प्रयास, व्यापारियों में हड़कंप

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

नगर के बड़ी मंडी क्षेत्र में सोमवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब अज्ञात चोरों ने एक थोक व्यापारी की दुकान में घुसने के लिए कुंबल लगाकर चोरी का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही व्यापारियों में दहशत फैल गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुँची और छानबीन शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार बड़ी मंडी में संजय अग्रवाल की जगन्नाथ हरप्रसाद नामक फर्म है। बताया गया कि रविवार की रात संजय अग्रवाल दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब वे दुकान पर पहुँचे तो उन्होंने देखा कि बराबर में स्थित जीने के राश्ते से चोरों ने दुकान में घुसने के लिए कुंबल लगा दिया था। इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर कोतवाल राजेश चौहान पुलिस टीम के साथ पहुँचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पीड़ित व्यापारी संजय अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है।

थोक व्यापारी की दुकान में चोरी की इस वारदात से क्षेत्र के व्यापारियों में काफी आक्रोश और चिंता का माहौल है।

युवक को कुचलने वाले कार चालक पर दरोगा ने केस कराया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में सोमवार को विक्षिप्त युवक को कुचलने वाली कार के चालक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

इस संबंध में मधुबन बापूधाम थाने में तैनात उपनिरीक्षक ने शिकायत दी थी। सोमवार को संजयनगर सेक्टर-23 में फॉर्चून होटल के सामने करीब 35 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक डिवाइडर पर बैठा था। दोपहर करीब एक बजे वह सड़क की तरफ चला तो तेज रफ्तार में आ रही कार ने उसे कुचल दिया।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूचना पर पहुंची मधुबन बापूधाम पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था।

घटना के संबंध में मधुबन बापूधाम थाने में तैनात उपनिरीक्षक बाल कृष्ण ने मुकदमा दर्ज कराया है। उपनिरीक्षक का कहना है कि वह आरक्षी राजेश कुमार के साथ गश्त करते हुए होटल फॉर्चूनर के पास पहुंचे तो एक व्यक्ति सड़क पर पड़ा मिला। संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी बोला, एकाएक गाड़ी के सामने आ गया युवक एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि युवक को कुचलने वाली कार इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी के नाम पर पंजीकृत है। कार दिल्ली के नंदनगरी निवासी बंटी चला रहा था। नंबर की मदद से कार को कब्जे में लेते हुए आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है। चालक ने बताया कि उसकी गाड़ी के आगे एक ट्रक जा रहा था।

इस कारण वह युवक को नहीं देख सका। एकाएक युवक गाड़ी के सामने आ गया। वह जब तक ब्रेक लगाता, जब तक गाड़ी युवक पर चढ़ चुकी थी। सीओ का कहना है कि मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आरोपी चालक के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही।

भीम आर्मी के नारे लगाते हुए भीड़ ने किया मकान पर हमला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कौशांबी थानाक्षेत्र में सोमवार दोपहर करीब 50 लोगों ने भीम आर्मी के नाम पर नारेबाजी करते हुए एक मकान पर कब्जा कर लिया। विरोध पर इसमें रह रहे लोगों से पिस्टल की बट, सरिया व डंडे से मारपीट की।

इसमें दो लोगों को चोट आई है। इलाके में तनाव को देखते हुए तीन थानों की पुलिस पहुंची थी। रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। दिल्ली गाजीपुर के रहने वाले सुरेंद्र के भोवापुर स्थित मकान में ताहिर, ममता व रमा किराये पर रह रहे हैं। 25 अगश्त की दोपहर पिंटू, रितिक, जगन, मुकेश व गोविंद अपने करीब 45 साथियों संग उनके मकान के बाहर पहुंचे और भीम आर्मी के नारे लगाते हुए हमला कर दिया।

पिंटू व रितिक ने पिस्टल की बट से किरायेदारों के सिर पर वार कर घायल किया, जबकि जगन और मुकेश ने डंडे व सरिया से रमा व ममता को बुरी तरह पीटा। तोड़फोड़ करते हुए फ्रीज, सीसीटीवी कैमरे, बर्तन, सिलेंडर समेत फर्नीचर आदि चोरी कर ले गए, जबकि अपनी महिला साथियों को घर में बैठाकर कब्जा करने का प्रयास किया।

दिल्ली से चुराई बाइक के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। लोनी के अंकुर विहार थाना पुलिस ने मंगलवार को क्षेत्र के संतनगर बिजली घर के पास से वाहनों की जांच के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दिल्ली से चुराई गई बाइक व साहिबाबाद क्षेत्र में व्यक्ति के गले से छीनी गई चेन को गला कर बनाया गया सोने का टुकड़ा बरामद हुआ है। अंकुर विहार थाना पुलिस मंगलवार सुबह संतनगर बिजली घर के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान एक बाइक पर आ रहे दो युवकों को जांच के लिए रोका गया। जांच करने पर बाइक का दिल्ली से चोरी होने का पता चला। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पूछताछ में इन्होंने अपने नाम सिद्धार्थ उर्फ मोनू और अभिषेक उर्फ सोंटा निवासी मौजपुर दिल्ली बताए। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि आरोपियों ने बाइक को दिल्ली से चुराना और राहगीरों से लूटपाट करना स्वीकार किया है।

उधार के रुपए को लेकर दो पक्षों में संघर्ष, चार आरोपी गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ढबारसी गांव में उधार के रुपयों को लेकर लाठी-डंडों से हमले के साथ-साथ पथराव करने वाले दो पक्षों के चार लोगों को मसूरी पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना के संबंध में नाहल चौकी प्रभारी ने दोनों पक्षों के आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। नाहल चौकी प्रभारी ने मसूरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अगश्त को वह कांस्टेबल रवि सिंह के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। ढबारसी गांव पहुंचने पर पता चला कि एक पक्ष के आस मोहम्मद, उसके भाई शेर मोहम्मद उर्फ शेरू, बेटे असलम व फिरोज तथा दूसरे पक्ष के आस मोहम्मद, उसका भाई जाकिर व फरियाद तथा जावेद नाम के युवक में उधार के रुपयों को लेकर लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला किया गया है। इतना ही नहीं, दोनों पक्षों ने पथराव पर गांव में दहशत फैलाई।

घटना में 50 वर्षीय आस मोहम्मद और उसका 22 वर्षीय बेटा असलम तथा दूसरे पक्ष से 35 वर्षीय आस मोहम्मद उसका 33 वर्षीय भाई जाकिर तथा 28 वर्षीय भाई फरियाद घायल हुए थे।

घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। एसीपी मसूरी लिपि नगायच ने बताया कि दोनों पक्षों के आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना खोलने का पहला शुद्धि पत्र

विज्ञापित निविदा सूचना सं. 128-डब्ल्यू/ 280/ एनआईटी-27/2025-26/ डब्ल्यू-3 दिनांक 12.09.2025 को जो एक निविदा यानी "सीनियर डीईएन-III/ डीएलआई के अधिकार क्षेत्र में द्वितीय यमुना ब्रिज-साहिबाबाद खंड पर ब्रिज नंबर 25 यूपी जीएएल और 25 डीएन जीएएल के गर्डर को पीएससी स्लैब से बदलना।" अनुबंध मूल्य ₹1,73,28,362.05 तथा बयाना राशि ₹2,36,700/- को प्रशासनिक आधार पर IREPS से हटा दिया गया है।

सं. 128-डब्ल्यू/280/ एनआईटी-27/2025-26/डब्ल्यू-3 दिनांक 25.08.2025

2587/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

टेंडर नोटिस स. इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 26.08.2025

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.स.	निविदा स.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82255009A	ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप फॉर ओफ्थल्माओलोजी (स्पेसिफिकेशन एज पर पीडीऍफ़ अटैच्ड)	01	17.09.25

निविदा शर्तें:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

2584/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित साप्ताहिक त्यौहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

रेलगाड़ी सं. 08760/08761 दुर्ग जं.-हज़रत निज़ामुद्दीन-दुर्ग जं. साप्ताहिक त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08760		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 08761	
आगमन	प्रस्थान	↓ ↑	आगमन	प्रस्थान
----	10.45	दुर्ग जं.	15.00	----
11.20	11.25	रायपुर जं.	13.50	13.55
13.20	13.30	उस्लापुर	11.50	12.00
14.55	14.57	पेन्ड्रा रोड	09.57	09.59
15.35	15.40	अनूपपुर जं.	09.15	09.20
16.15	16.17	शहडोल	08.35	08.37
17.09	17.11	उमरिया	07.36	07.38
18.40	18.50	कटनी मुड़वारा	06.10	06.20
20.20	20.22	दमोह	03.25	03.27
21.25	21.30	सागर	02.10	02.15
01.55	02.05	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं.	21.30	21.40
06.35	06.40	आगरा छावनी	15.40	15.45
11.10	----	हज़रत निज़ामुद्दीन	----	12.30

चलने के दिन : 08760 दुर्ग जं. से प्रत्येक रविवार दिनांक 05.10.2025 से 23.11.2025 तक एवं 08761 हज़रत निज़ामुद्दीन से प्रत्येक सोमवार दिनांक 06.10.2025 से 24.11.2025 तक।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकॉनोमी), शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2591/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

प्राचीन ज्ञान और भविष्य की तकनीक का सेतु है संस्कृत

संस्कृत भाषा मानव सभ्यता की उस अद्भुत धरोहर का नाम है, जिसने हजारों वर्षों तक ज्ञान, विज्ञान, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में पथप्रदर्शक की भूमिका निभाई है। यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता की सबसे प्राचीन, सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है। आज जब विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में प्रवेश कर चुका है, तब संस्कृत के महत्व पर नए सिरे से चर्चा हो रही है।

यह भाषा न केवल अतीत के अनुभवों और परंपराओं को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य की प्रौद्योगिकियों के साथ भी गहरे श्तर पर सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि संस्कृत को आज के समय में प्राचीन ज्ञान और भविष्य की तकनीक के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाने लगा है। संस्कृत की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्याकरणिक संरचना है। पाणिनि का अष्टाध्यायी व्याकरणिक दृष्टि से विश्व की सबसे सटीक और तार्किक रचना मानी जाती है। इसकी व्यवस्थित संरचना और नियमबद्धता इतनी अद्भुत है कि आधुनिक कम्प्यूटर भाषाओं के निर्माण में भी इसे आदर्श माना जा सकता है। जहां अंग्रेज़ी या अन्य भाषाओं में शब्दों और वाक्यों के प्रयोग में अनेक प्रकार की असंगतियां देखने को मिलती हैं, वहीं संस्कृत में एक प्रकार की पूर्ण स्पष्टता और तार्किकता है। यही कारण है कि जब विश्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का दौर प्रारम्भ हुआ, तब अनेक शोधकर्ताओं ने पाया कि संस्कृत भाषा इन तकनीकों को समझने और विकसित करने के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज हम देखते हैं कि जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन सहित विश्व के अनेक देशों के विश्वविद्यालय संस्कृत का गहन अध्ययन कर रहे हैं। जर्मनी के कम से कम चौदह विश्वविद्यालयों में संस्कृत का पाठ्यक्रम चल रहा है। इन देशों में संस्कृत को केवल धार्मिक या दार्शनिक दृष्टि से ही नहीं पढ़ाया जाता, बल्कि उसे आधुनिक विज्ञान और तकनीक की दृष्टि से भी महत्व दिया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक जगत यह समझ चुका है कि भविष्य की वैज्ञानिक प्रगति में संस्कृत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। भारत में भी अब यह आवाज़ उठने लगी है कि संस्कृत को केवल अतीत की भाषा मानकर सीमित न किया जाए। इसे आधुनिक शिक्षा और तकनीकी जगत में नए रूप से प्रश्तुत किया जाए।

यदि संस्कृत को डिजिटल तकनीकों के साथ जोड़ा जाए, तो यह भाषा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं का द्वार खोल सकती है। इसका कारण यह है कि संस्कृत की शब्द संरचना और व्याकरणिक नियम कम्प्यूटरों के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। कम्प्यूटर किसी भी भाषा को तब आसानी से समझ सकता है जब उसमें अस्पष्टता न हो। संस्कृत की विशेषता ही यही है कि इसमें प्रत्येक शब्द और वाक्य का एक निश्चित और स्पष्ट अर्थ होता है।

आज के समय में शिक्षा के क्षेत्र में भी संस्कृत के महत्व को नए रूप में पहचाना जा रहा है। पहले इसे केवल शास्त्रों, वेदों और धार्मिक ग्रंथों तक सीमित समझा जाता था, परंतु अब यह मान्यता तेजी से बदल रही है। संस्कृत के अध्ययन से छात्रों के लिए न केवल अध्यापन और शोध के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से जुड़े हुए करियर के नए राश्ते भी खुलेंगे। उदाहरणस्वरूप, यदि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एल्गोरिद्म संस्कृत के आधार पर तैयार किए जाएं तो वे कहीं अधिक प्रभावी और स्पष्ट हो सकते हैं। यही कारण है कि कई शोध संस्थान संस्कृत को भविष्य की तकनीकी भाषा कह रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि संस्कृत इतनी उपयोगी है तो भारत में इसे व्यापक रूप से क्यों नहीं अपनाया गया। इसका उत्तर हमारे समाज की मानसिकता और शिक्षा व्यवस्था में छिपा हुआ है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की दौड़ में पश्चिमी देशों की राह को अधिक अपनाया। अंग्रेज़ी भाषा को प्रगति और आधुनिकता का पर्याय मान लिया गया। इसके परिणामस्वरूप संस्कृत धीरे-धीरे शिक्षा और व्यवहार से विलुप्त होने लगी। जबकि सच यह है कि यदि भारत ने अपनी ही प्राचीन भाषा को विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ा होता तो शायद आज भारत विश्व को तकनीक की दिशा दिखा रहा होता।

संस्कृत का महत्व केवल तकनीक या विज्ञान तक सीमित नहीं है। यह भाषा हमारे समाज की सांस्कृतिक पहचान और दार्शनिक परंपराओं का भी आधार है। इसमें जीवन के गूढ़तम प्रश्नों के उत्तर मौजूद हैं। वेद, उपनिषद और गीता जैसी रचनाएं संस्कृत में ही हैं। इन रचनाओं ने मानवता को जीवन जीने की कला और आंतरिक शांति का मार्ग दिखाया है। आज जब मानव अत्यधिक भौतिकता और तनाव के बीच उलझा हुआ है, तब संस्कृत साहित्य की शिक्षाएं जीवन को संतुलन और शांति प्रदान कर सकती हैं।

इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि संस्कृत केवल अतीत का गौरव नहीं बल्कि भविष्य की आवश्यकता भी है। यदि हम सचमुच भारत को ज्ञान और तकनीक की वैश्विक शक्ति बनाना चाहते हैं तो संस्कृत को पुनर्जीवित करना होगा। इसे केवल अनुष्ठानों और मंदिरों तक सीमित न रखकर आधुनिक प्रयोगों से जोड़ना होगा। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में संस्कृत और तकनीक के संयुक्त पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाएं।

स्कूल श्तर से ही बच्चों को संस्कृत के आधुनिक और व्यावहारिक रूप से परिचित कराया जाए। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट और डिजिटल दुनिया में जी रही है। यदि संस्कृत को इस डिजिटल युग के अनुकूल बनाया जाए, तो यह उनके लिए सहज और आकर्षक बन सकती है। संस्कृत के माध्यम से मोबाइल एप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टूल्स, और रोबोटिक्स के कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं। इससे एक ओर जहां हमारी परंपरा जीवित रहेगी, वहीं दूसरी ओर हम आधुनिक युग की चुनौतियों का भी सामना कर सकेंगे। अंततः यह समझना होगा कि भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं होतीं, वे विचार और संस्कृति की वाहक होती हैं।

संस्कृत में न केवल प्राचीन भारत की आत्मा बसती है बल्कि आधुनिक भारत के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी भी छिपी हुई है। समय आ गया है कि हम इस भाषा को उसके वाश्तविक स्वरूप में पुनः स्थापित करें। संस्कृत अतीत और भविष्य के बीच की वह कड़ी है जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हुए प्रौद्योगिकी की ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। यही कारण है कि इसे आज 'भविष्य की भाषा' कहा जा रहा है।

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

ललित गर्ग

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस-यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है।

हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति-अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अशतव्यशत करने की कोशिश की है।

किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार कहा है-'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा।

पिछले साल अगश्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का राश्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है-'शांति ही मानवता का वाश्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।' भारत की शांति नीति केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान-इजरायल, इजरायल-हमास युद्ध हो, अफगानिश्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल-पुथल-भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग-शांति-सौहार्द से मिलेगा।

उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशश्तंभ का काम कर रही है। भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा-"अहिंसा परमो धर्मः"। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी पराश्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है।

इसी विरासत को नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा-'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी।

इसका उद्देश्य था-दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है। आज, जब रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने-सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र राश्ता बताया है।

यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है-जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति-उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

किश्तों में संविधान बदलने का खेल

राजेंद्र शर्मा

उक्त संविधान संशोधन प्रश्ताव के पीछे मोदी सरकार की राजनीति में शुचिता लाने की चिंता होने के दावे को, नरेंद्र मोदी के अंधभक्तों के सिवा शायद ही किसी ने गंभीरता से लिया होगा। इस संशोधन प्रश्ताव के दायरे में प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों के भी शामिल किए जाने के बावजूद, यह सच्चाई किसी से छुपी नहीं रही है कि ये पद सिर्फ दिखावे के लिए शामिल किए गए हैं; यह दिखाने के लिए यह कानून विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष पर ही लागू होगा।

संसद के मानसून सत्र की अपेक्षाकृत छोटी अवधि के दौरान ही, अनेक राजनीतिक प्रेक्षकों के अनुसार जहां देश के मूड में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, वहीं इसी दौरान देश को दो बड़े सरप्राइज भी देखने को मिले हैं। देश के मूड में बदलाव का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि संसद के इस सत्र की शुरूआत प्रधानमंत्री के संसद पहुंचने पर, सत्तापक्ष के सांसदों की तरफ से ही सही, उनका जोशीले नारों के साथ स्वागत किए जाने से हुई थी और प्रधानमंत्री ने भी कम से कम लोकसभा को, आपरेशन सिंदूर पर हुई विश्तृत चर्चा के अपने अति-विश्तृत उम्र का सम्मान दिया था, जो सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के राज के गंयारह साल में दुर्लभ ही होता गया है। उसी सत्र का अंत विपक्षी सांसदों द्वारा ही सही, प्रधानमंत्री को संबोधित कर 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए जाने के साथ हुआ। और बिहार में जन-विरोधी एसआईआर प्रक्रिया पर संसद में बहस कराने विशेष संदर्भ में लगे इन नारों के लगाए जाने से बड़ी खासियत, विपक्ष के इन नारों पर सत्ताधारी पार्टी के सांसदों की जैसे हथियार ही डाल देने की प्रतिक्रिया थी। सामान्यतः जो होता आया है उसके विपरीत, सत्ताधारी सांसदों की ओर से विपक्ष के नारों को अपने कंठबल से दबाने का, शायद ही कोई वाश्तविक प्रयास किया जा रहा था।

जहां तक इसी सत्र के दौरान हुई दो बड़ी हैरान करने वाली घटनाओं का सवाल है, पहली घटना जो सत्र के शुरू में ही हुई, राज्यसभा के सभापति तथा उपराष्ट्रपति के अचानक इश्तीफा देने की ही रही। यह घटना इस कदर अचानक हुई कि उपराष्ट्रपति के पद से जगदीप धनखड़ के इश्तीफे के महीने भर बाद भी, जबकि उनकी जगह लेने के लिए नये उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां सत्ता पक्ष और एकजुट विपक्ष, दोनों के उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार जोर-शोर से चल पड़ा है, अब तक प्रेक्षकों द्वारा इस पर हैरानी ही जताई जा रही है कि उपराष्ट्रपति को अचानक इश्तीफा क्यों देना पड़ा। बेशक, इस संबंध में पहले दिन से ही तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और बहुत सी अटकलें निराधार भी नहीं हैं। कम से कम इतना तो साफ ही है कि वर्तमान सत्ता के शीर्ष पर बैठे सत्ताधीशों की धनखड़ से नाराजगी इस त्यागपत्र प्रकरण के पीछे थी। फिर भी इस प्रकरण के पीछे एक रहस्यकथा तो अब भी बनी ही हुई है। और इस रहस्यकथा को इश्तीफा देने के बाद से धनखड़ के सार्वजनिक परिदृश्य से पूरी तरह से अदृश्य ही हो जाने ने और भी गढ़ा रंग दे दिया है।

दूसरा हैरान करने वाला प्रकरण, सत्र के ऐन आखिर में सामने आया। लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति की सारी प्रक्रिया को धता बताते हुए और विपक्ष ही नहीं सत्तापक्ष को भी हैरान करते हुए, लोकसभा में अचानक 1 30वां संविधान संशोधन प्रश्ताव पेश कर दिया गया।

यह प्रश्ताव संविधान में संक्षेप में इस आशय के संशोधन का है कि पांच साल या उससे अधिक सजा वाले अपराध के आरोपी, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय या राज्य मंत्री तक को, अगर बिना जमानत के एक महीना कैद में गुजारना पड़े तो, एक महीना पूरा होते ही उसका उक्त पद खुद ब खुद छिन जाएगा। इस संविधान संशोधन प्रश्ताव को विपक्ष के कड़े विरोध के बाद भी लोकसभा में पेश किया गया और उसके तुरंत बाद ही संयुक्त संसदीय समिति द्वारा छानबीन के लिए भेज दिया गया। इस मामले में संयुक्त संसदीय समिति का गठन खुद विवादों के घेरे में आता जा रहा है क्योंकि एक-एक कर विपक्षी पार्टियों के प्रश्तावित समिति से दूर रहने का ऐलान करने का सिलसिला शुरू हो चुका है।

जैसा कि आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता था, सत्ताधारी भाजपा और किसी हद तक उसका गठबंधन भी, इस संशोधन को राजनीति में 'शुचिता' लाने की अपनी कोशिश के रूप में पेश करना चाहता है। गृहमंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में इस संशोधन प्रश्ताव को पेश करते हुए दी गयी दलीलों से यह कोशिश पूरी तरह से स्पष्ट थी। इसके बाद भी अगर कोई कसर रह गयी थी, तो वह मानसून सत्र के फौरन बाद, बिहार, बंगाल तथा अन्य राज्यों के प्रधानमंत्री के चुनावी तथा चुनाव-पूर्व दौरे पर दिए गए भाषणों से साफ हो गयी। इन भाषणों में प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों के उक्त संविधान संशोधन के विरोध को, उनके नेताओं के भ्रष्ट होने और भ्रष्टाचारियों को बचाने का सबूत बनाकर पेश करने की कोशिश की। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर अपना पुराना दावा दोहराया कि उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार का, एक भी दाग नहीं लगा है।

कहने की जरूरत नहीं है कि उक्त संविधान संशोधन प्रश्ताव के पीछे मोदी सरकार की राजनीति में शुचिता लाने की चिंता होने के दावे को, नरेंद्र मोदी के अंधभक्तों के सिवा शायद ही किसी ने गंभीरता से लिया होगा।

इस संशोधन प्रश्ताव के दायरे में प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय मंत्रियों के भी शामिल किए जाने के बावजूद, यह सच्चाई किसी से छुपी नहीं रही है कि ये पद सिर्फ दिखावे के लिए शामिल किए गए हैं; यह दिखाने के लिए यह कानून विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष पर ही लागू होगा। लेकिन, यह दिखावा एक ऐसी सरकार द्वारा किया जा रहा है, जिससे उसके पक्के से पक्के समर्थक भी, सत्ता पक्ष और विपक्ष में भेदभाव न करने का दिखावा तक करने की उम्मीद नहीं करते हैं, फिर आम लोगों के इस दिखावे पर विश्वास करने का तो सवाल ही कहां उठत है।

उल्टे आम देशवासी किसी न किसी हद तक विपक्ष की इस दलील से प्रभावित है कि यह संविधान संशोधन, सिर्फ और सिर्फ विपक्षी सरकारों को निशाना बनाने और अस्थिर करने के लिए लाया गया है। वाश्तव में प्रधानमंत्री समेत खुद सत्ताधारी पार्टी द्वारा इस संविधान संशोधन विधेयक के बहाने से, विपक्ष को निशाना बनाए जाने की कोशिशों से, इस आशंका की पुष्टिं ही हुई है।

'जेल से सरकार नहीं चल सकती' की सत्तापक्ष की दलीलों का इशारा भी, मोदी राज द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर रहते केजरीवाल को और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को, सीआईडी और ईडी के बनाए मामलों में जेल में डाले जाने की ओर ही है। वाश्तव में हेमंत सोरेन ने तो राजभवन से अपनी गिरफ्तारी से ऐन पहले इश्तीफा देकर और अपनी पार्टी का वैकल्पिक मुख्यमंत्री बनवा कर, झारखंड में विपक्षी सरकार को इस हथकंडे से गिराने की कोशिश को, विफल भी कर दिया था। केजरीवाल ने ही गिरफ्तारी के बाद और अंततः जमानत के बाद भी, इश्तीफा देने से इंकार कर दिया था और इस तरह, केंद्रीय एजेंसियों का इश्तेमाल कर सरकार को हटाए जाने की कोशिश को विफल किया था।

अब इस संशोधन के जरिए, इस हथकंडे के सहारे असुविधाजनक विपक्षी सरकारों को हटाने का ही राश्ता तैयार किया जा रहा है। और इस हथकंडे का इश्तेमाल कोई अतिरंजित आशंका नहीं है। तमिलनाडु तथा केरल समेत, ऐसा कोई विपक्ष-शासित राज्य नहीं है, जहां ईडी-सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियों ने,मंत्रियों से लेकर मुख्यमंत्रियों तक के खिलाफ किसी न किसी प्रकार की जांच नहीं छेड़ रखी है।

दिल्ली और झारखंड के मामले इसके गवाह हैं कि ऐसी जांचों को मुख्यमंत्रियों तक की हिरासत की मांग तक पहुंचने में और फिर उनकी जमानत की राह मुश्किल से मुश्किल बनाए जाने में, ज्यादा समय नहीं लगता है। यही वह प्रशासनिक संस्कृति है जो मोदी राज के ग्यारह साल की पहचान ही बन गयी है।

वाश्तव में इस संशोधन के बाद, इन केंद्रीय एजेंसियों को, केंद्रीय सत्ताधारी दल के पक्ष में दलबदल का हथियार बनाना और भी आसान हो जाएगा क्योंकि मंत्री-मुख्यमंत्री सभी के सिर पर यह तलवार लटकती रहेगी कि महीने भर उन्हें जमानत न मिलना सुनिश्चित किए जाने भर की जरूरत है, उनका कैरियर आसानी से चौपट किया जा सकता है। सभी जानते हैं कि हिमंता बिश्वशर्मा से लेकर अजीत पवार तक, दर्जनों बड़े-बड़े विपक्षी नेताओं को इन्हीं एजेंसियों के ब्लैकमेल के जरिए, सत्तापक्ष के पाले में पहुंचाया गया है। प्रश्तावित संशोधन इन एजेंसियों को और घातक बना देंगे। याद रहे कि यह तलवार सिर्फ विपक्ष के ही सिर पर नहीं लटक रही होगी। सत्तापक्ष के अपने मंत्रियों से लेकर, उसके सहयोगियों के भी सिर पर लटक रही होगी। तेलुगू देशम तथा जनता दल यूनाइटेड में, इस संविधान संशोधन पर बेचैनी की खबरें, सिर्फ अटकलें ही नहीं हैं।

बेशक, ये तमाम आशंकाएं तब कुछ अपरिपक्व लग सकती हैं, जब हम इस बात को हिसाब में लेते हैं कि इस तरह के संविधान संशोधन का प्रश्ताव रखने की शक्ति तो मोदी सरकार के पास है, लेकिन ऐसे किसी संशोधन को पारित कराने की शक्ति उसके पास नहीं है। तब तो बिल्कुल ही नहीं, जब पूरा विपक्ष प्रश्तावित संशोधन के खिलाफ पूरी तरह से एकजुट है, जबकि खुद सत्ताधारी गठजोड़ इतना एकजुट नजर नहीं आता है। कम से कम फौरन सत्तापक्ष की यह मंशा पूरी होती नहीं लगती है और फौरन तो उसका मकसद, संसद में विपक्ष की ओर से उठायी गयी, बिहार में एसआईआर प्रक्रिया पर बहस की मांग से ध्यान बंटाना ही ज्यादा लगता है। यह दूसरी बात है कि इस पैंतरे के बाद से, विपक्ष की 'वोट बचाओ यात्रा' के माध्यम से, बिहार में वोट चोरी का मुद्दा और भी बड़ा हो गया है।

लेकिन, वोट चोरी के मुद्दे से ध्यान बंटाने के साधन के रूप प्रश्तावित संविधान संशोधन के इस तात्कालिक उपयोग से अलग, संविधान के बुनियादी जनतांत्रिक सिद्धांतों तथा प्रावधानों से छेड़छाड़ करने वाले ऐसे संविधान संशोधनों के उछाले जाने का, एक और गहरा उद्देश्य भी है। यह एक के बाद एक, इस प्रकार के संशोधनों को उछालने के जरिए, संविधान को ही बदलने के लिए माहौल बनाना है।

सत्ताधारी भाजपा और उसके प्रधानमंत्री दिखाने के लिए भले संविधान नहीं बदलने देने की कसमें खाते हैं, वाश्तव में वे किश्तों में संविधान बदलने की ही कोशिश कर रहे हैं। एक देश, एक चुनाव के प्रश्ताव से संबंधित संविधान संशोधनों का निपटारा अभी हुआ भी नहीं है, तब तक एक और बड़े संविधान संशोधन का प्रश्ताव पेश किया जा चुका है। और यह सब संविधान की प्रश्तावना में से समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष आदि को निकालने के लिए संशोधनों की, आए दिन उन्हीं की कतारों के बीच से उठती रहने वाली मांगों के ऊपर से है।

(लेखक साप्ताहिक के संपादक हैं)

जेल से सरकार चलाने की इज़ाज़त दे दी जाये?

अर्जुन देशप्रेमी

सरकार ने संविधान (130वाँ संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया है, जिसमें प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अन्य मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ़्तार और हिरासत में रखने पर पद से हटाने का प्रश्ताव है।

हालाँकि इस विधेयक को समीक्षा के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया है। पर इसे लेकर विपक्षी दलों में भारी विरोध देखा जा रहा है। इसपर विपक्ष ने जिस तरह से आपत्तियां दर्ज कराई हैं, उसे नज़रंदाज़ भी नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ सरकार की मंशा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। दोनों ही पक्ष अपने अपने तर्कों में सही दिखते हैं।

पर सवाल जस का तस है कि क्या जेल से सरकार चलाई जा सकती है? अगर हाँ, तो यह कहाँ तक न्यायोचित होगा? और नहीं, तो फिर ऐसा कानून क्यों नहीं आना चाहिए? प्रश्न यह भी है कि क्या पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर कोई बीच का राश्ता निकालेंगे?

दरअसल यह बिल आया ही है एक ऐसी स्थिति से निपटने के लिए जिसकी कल्पना हमारे संविधान निर्माताओं ने शायद नहीं की थी। अगर उन्होंने सपने में भी उस स्थिति की कल्पना की होती तो वे संविधान में इससे निपटने के लिए कोई न कोई व्यवस्था जरूर कर देते। पर अब स्थिति यह है कि तमाम नैतिकताओं को ताखे पर रखकर नेता लोग जेल से सरकार चलाने पर उतारू हो गए हैं।

परिपाटी यह रही है कि जब भी किसी मंत्री या मुख्यमंत्री या केंद्रीय मंत्री की गिरफ्तारी की स्थिति बनती थी, मंत्री खुद ही इश्तीफा दे देते थे या फिर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री अपने मंत्री से इश्तीफा ले लेते थे या उसे बर्खाश्त कर देते थे। जब वे जेल से बाहर आते थे तब दुबारा पद पर आ जाते थे।

इसी तरह मुख्यमंत्री भी ऐसी स्थिति होने पर खुद से इश्तीफ़ा दे देते थे और जेल से बाहर आने पर फिर मुख्यमंत्री बन जाते थे। पर हाल के वर्षों में ऐसा हुआ कि मंत्री और मुख्यमंत्री जेल में महीनों रहे, पर पद से इश्तीफ़ा नहीं दिया। जेल में रहे और मुख्यमंत्री या मंत्री के तौर पर रहे। इस दौरान राज्यों का भले ही बेडा गर्क क्यों न होता रहा हो।

सबसे बड़ा उदाहरण अरविन्द केजरीवाल का ही है जो 177 दिनों तक जेल में रहे, पर मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा। अदालतों में लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई। पर संविधान और कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था जो इन्हें बाध्य करता की वे पद छोड़ते या बर्खाश्त कर दिए जाते या फिर सुप्रीम कोर्ट इन्हें पद छोड़ने के लिए कोई आदेश या निर्देश दे पाता। ऐसा ही अरविन्द केजरीवाल के दो मंत्रियों और तमिलनाडु के एक मंत्री के मामले में भी हुआ। थक हारकर कोर्ट को इंगित करना पड़ा कि इस सम्बन्ध में कानून होना चाहिए। और इसी क्रम में केंद्र सरकार विधेयक (बिल) लेकर आयी है जिसपर पूरा विपक्ष हंगामा कर रहा है।

विधेयक के अनुसार, यदि किसी मंत्री को पाँच या अधिक वर्षों की सज़ा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ़्तार और हिरासत में रखा जाता है, तो उसे 31वें दिन पद से हटाना अनिवार्य है। यदि किसी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को लगातार 30 दिनों तक गिरफ़्तार और हिरासत में रखा जाता है, तो विधेयक के अनुसार उन्हें 31वें दिन तक इश्तीफ़ा देना होगा।

यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो वे स्वतः ही पद से हट जाएँगे। समान परिस्थितियों का सामना करने वाले अन्य केंद्रीय या राज्य मंत्रियों के लिए, विधेयक अलग निष्कासन प्रक्रियाओं को निर्दिष्ट करता है जिसके अनुसार केंद्रीय मंत्रियों को प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा हटाया जाएगा जबकि राज्य के मंत्रियों को राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर हटाएँगे। विधेयक में प्रावधान है कि यदि कोई प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री राष्ट्रपति या राज्यपाल को किसी मंत्री को हटाने की सलाह नहीं देता है, तो 30 दिनों की नज़रबंदी के बाद वह मंत्री स्वतः ही पद से हट जाएगा।

इसी विधेयक का विपक्षी दलों द्वारा विरोध किया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष जब चाहेगा किसी मुख्यमंत्री के खिलाफ अपनी एजेंसियों से मुकदमे लदवाकर उसे 30 दिन तक हिरासत में रखवा देगा और जमानत नहीं होने देगा। ऐसे में निर्दोष होने के बाद भी उस मुख्यमंत्री को अपने पद से इश्तीफ़ा देना पड़ेगा या उसे हटा दिया जायेगा। एक तरह से यह विरोधियों के लिए हथियार के तौर पर इश्तेमाल किया जायेगा। इस कानून का दुरुपयोग सत्ता पक्ष करेगा।

विपक्ष के इस दावे में दम भी है, यह हवा हवाई नहीं है। जिस तरह से मुकदमे लादे जा सकते हैं और लादे भी गए हैं, उससे यह आशंका बलवती होती है। पर सवाल है कि सिर्फ इस शंका के कारण जेल से सरकार चलाने की छूट मिलनी चाहिए? और सवाल तो यह भी है कि क्या कांग्रेस या तीसरे मोर्चों की सरकारों के दौरान कोई ऐसा कानून नहीं बना है जिसका दुरुपयोग नहीं हुआ है, या दुरुपयोग नहीं हो रहा है? सच तो यह है कि देश में शायद ही ऐसा कोई कानून बना हो जिसका दुरुपयोग न हुआ हो या न हो रहा हो। एससी/एसटी एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम आदि इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। इनके दुरुपयोग की गाथाएं हर गली-मोहल्ले में सुनाई देती हैं।

ऐसे ही दूसरे लगभग सभी कानूनों में है। और फिर तो दुरुपयोग के डर से कभी कोई कानून बनना ही नहीं चाहिए। यदि जनता के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग को अगर नज़रंदाज़ किया गया है तो फिर नेताओं के लिए बनने वाले कानून के दुरुपयोग की शंका को नज़रंदाज़ क्यों नहीं किया जा सकता है। और फिर देश में क़ानून का ही राज है।

आपको लगता है कि इस कानून का दुरुपयोग किया गया है तो कोर्ट में अपनी बात रखिये, 30 दिन के भीतर कोर्ट से जमानत या राहत ले लीजिये, बने रहिये पद पर। इस दौरान आपकी पार्टी का कोई दूसरा नेता मंत्री या मुख्यमंत्री बना रहेगा। और कोर्ट यदि जमानत या राहत नहीं देती तो पद छोडिये। इसमे समस्या क्या है? और फिर, यह कानून तो सभी दलों पर लागू होगा। भाजपा जब विपक्ष में जायेगी तब उनपर भी यही बात लागू होगी। फिर इससे डरना क्यों? जब भाजपा नहीं डर रही है तो विपक्ष क्यों डर रहा है? या विपक्ष मान रहा है कि वह कभी भी केंद्र की सत्ता में आयेगा ही नहीं, आजीवन केंद्र की सत्ता में भाजपा ही रहेगी? या ऐसा कानून बनाने ही नहीं दिया जाये और जेल से सरकार चलाने की इज़ाज़त दे दी जाये?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

परिवार परामर्श केन्द्र ने तीन परिवारों को टूटने से बचाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पारिवारिक समस्याओं व मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर तीन जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया।

मंगलवार को परिवार परामर्श केंद्र, अलीगढ़ में कुल तीन पारिवारिक मामलों कनिका (परिवर्तित नाम) निवासी थाना क्षेत्र जवां एवं महेंद्र (परिवर्तित नाम) निवासी जनपद बुलंदशहर, सुंदरी (परिवर्तित नाम) निवासी मडराक एवं कोमल सिंह (परिवर्तित नाम) निवासी थाना अतरौली व शमा (परिवर्तित नाम) निवासी क्वार्सी एवं अरबाज (परिवर्तित नाम) निवासी अकराबाद का सफल निश्तारण किया।

इन सभी मामलो में परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक श्रीमती शिखा त्यागी तथा काउंसलर श्री सी.एल.सैनी, श्री इमरान खान तथा श्री विनोद तिवारी के प्रयासों से पक्षकारों के बीच आपसी सुलह समझौता कराया, परिणामस्वरूप सभी दंपतियों ने पुराने मतभेद भुलाकर आपसी सहमति से साथ रहने का निर्णय लिया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विश्तारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौमाता के अंतिम संस्कार के लिए महिला संगठन ने किया सहयोग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अखिल भारतीय करणी सेना महिला शक्ति ने एक अनूठी पहल की। संगठन ने गौमाता के अंतिम संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री गौ रक्षक दल को सौंपी। यह कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष महिला शक्ति ममता सिंह के आवास पर आयोजित किया गया।

गौ रक्षक दल के अध्यक्ष सचिन राघव ने बताया कि उनकी टीम 24 घंटे गौ सेवा में तत्पर रहती है। जैसे ही कोई सूचना मिलती है, टीम तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर पशुओं का उचित इलाज कराती है। कार्यक्रम में महिला शक्ति की ओर से लगभग 100 किलो नमक और कई साड़ियां गौ रक्षक दल को दी गईं। इस अवसर पर पूजा सेंगर और मधु जादौन ने सभी सदस्यों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। गरिमा राघव ने सभी का चंदन से तिलक किया। सचिन राघव ने बताया कि गौ रक्षक दल एक गौशाला का निर्माण कर रहा है। उन्होंने शहरवासियों से इस कार्य में धन या अन्य रूप में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में गौरी तोमर, भारती गौतम, आशा गुप्ता, शिवानी राघव, रुचि राघव, पूनम चौहान, नेहा तोमर समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मंडलायुक्त ने किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत एटा एवं अलीगढ़ की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज में अलग पहचान बनाई है। इन्हीं उपलब्धियों को देखते हुए मंडलायुक्त संगीता सिंह ने मंगलवार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अलीगढ़ की ड्रोन दीदी सीमा सिंह, नीरज कुमारी, लखपति दीदी ललिता शर्मा, विद्युत सखी लता सिंह और डीएमएम समीर कुमार को सम्मानित किया गया। वहीं एटा जिले की बैंक सखी अंबिका, समूह सखी आशा, विद्युत सखी पूनम और डीएमएम हर प्रसाद को मंडलायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ: सीएम योगी बोले- पहले गांव के गांव करते थे पलायन, अब प्रदेश में ही मिल रही नौकरी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि युवा अपार ऊर्जा का स्रोत हैं। दुनिया में सबसे अधिक युवा आबादी भारत में और भारत में भी उत्तर प्रदेश में है। यूपी के युवाओं ने अवसर मिलने पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है इसलिए आज यूपी के युवाओं की मांग दुनिया भर में है। आज रोजगार देने वाली कम्पनियां और युवा एक मंच पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ का शुभारंभ करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीते आठ वर्षों में किए गए कार्यों का ही परिणाम है कि जहां पहले गांव के गांव रोजगार के लिए पलायन कर जाते थे आज उन्हें प्रदेश में ही रोजगार मिल रहा है। गांव रोजगार का केंद्र बन रहे हैं। प्रदेश में जो इकाइयां इंस्पेक्टर राज और अन्य दखल के कारण बंद हो गईं थी आज उनकी संख्या 96 लाख हो गई है। लघु और कुटीर उद्योग की ताकत का एहसास कोरोना काल में हुआ।

वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट और लघु व कुटीर उद्योगों की ताकत का एहसास प्रदेश ने कोरोना के दौर में किया। कोरोना के दौरान करीब 40 लाख मजदूर प्रदेश वापस लौटे। ओडीओपी व एमएसएमई की मदद से उन्हें रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आज यूपी यूपी पंजीकृत इकाइयों को पांच लाख बीमा कवर देने वाला देश का पहला राज्य है।

आज लोकल स्तर की इकाइयां लोगों को रोजगार दे रही हैं। यहीं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश है। जिससे विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की नींव पड़ेगी। हमने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की शुरुआत की। हमने हर युवा को ट्रेनिंग दी और सस्ते में लोन दिया। सीएम युवा उद्यमी योजना से कोई भी युवा अपने को उद्यमी के रूप में स्थापित कर सकता है। यह सब परिवर्तन बीते आठ वर्षों में हुए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी भी दी जा रही है। हमने पुलिस ने 2.19 लाख भर्तियां की। 1.56 लाख शिक्षकों की भर्ती की और सभी विभागों को जोड़ लें तो 8.5 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दीं।

श्रम मंत्री बोले- योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि यूपी में आजादी के बाद 2017 तक जितने कारखाने रजिस्टर नहीं हुए उससे कहीं ज्यादा 2017 के बाद सीएम योगी के शासनकाल में पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए संकल्पित है।

महाकुंभ में देश की बहुचर्चित कंपनियों में करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। आठवीं पास से परास्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरिंग तक की शैक्षिक योग्यता रखने वाले युवा इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। सेवायोजन विभाग की निदेशक नेहा प्रकाश ने बताया कि देश-विदेश की 100 से अधिक नामी कंपनियों के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। रोजगार महाकुंभ में तीन मंचों के माध्यम से युवाओं को उनकी योग्यतानुसार, शहर व प्रदेश के साथ ही विदेशों में भी रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इश्क में तोड़ी मजहब की दीवार: प्रेमियों के घर पहुंचीं दो मुस्लिम बहनें, मंदिर में रचाई शादी...बदले अपने नाम

लखीमपुर खीरी , एजेंसी। लखीमपुर खीरी के पढ़ुआ थाना क्षेत्र के गांव बैरिया में मुस्लिम समुदाय की दो सगी बहनें रविवार रात अपने प्रेमियों के घर पहुंचकर शादी के लिए अड़ गईं। उनका रुख देखकर रात भर पंचायत हुई और काफी जद्दोजहद के बाद उनकी शादी कराने का निर्णय हुआ। सोमवार को दोनों की उनके प्रेमियों से मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से शादी करा दी गई। दोनों बहनों ने अपने नाम भी बदल लिए।

ग्रामीणों के मुताबिक, बैरिया की ही रहने वाली रुखसाना और उसकी बहन जासमीन के प्रेम संबंध गांव के ही एक ही परिवार के दो युवकों रामप्रवेश और सर्वेश से हो गए थे। रविवार देर रात दोनों युवतियां चुपचाप अपने प्रेमियों के घर पहुंचीं तो उनकी जिद से सनसनी फैल गई। पंचायत के जरिये मामला सुलझाने की कोशिश की गई, लेकिन शुरुआत में सहमति न बनने से विवाद की स्थिति भी बनी। हालांकि बात ज्यादा आगे नहीं बढ़ी।

इसी बीच युवतियों की उम्र को लेकर भी संशय बना रहा, मगर शैक्षिक प्रमाणपत्रों और आधार कार्ड के आधार पर दोनों के बालिग होने की पुष्टि हुई। इस पर दोनों का विवाह कराने का निर्णय हुआ। इसके बाद सोमवार को गांव के मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह हुआ। शादी देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और माहौल गहमा-गहमी भरा रहा।

दोनों बहनों ने बदले अपने नाम

मामले में प्रधान दामोदर के प्रतिनिधि पूर्व प्रधान लखपत पांडेय ने बताया कि दोनों प्रेमी युगल बालिग हैं। राजी-खुशी से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कराया गया। इस दौरान रुखसाना बानो का नया नाम रूबी रखा गया और उसकी शादी रामप्रवेश मौर्य से हुई। वहीं, जासमीन का नाम बदलकर चांदनी रखा गया और उसकी शादी सर्वेश मौर्य के साथ मंदिर में सकुशल संपन्न कराई गई।

थानाध्यक्ष पढ़ुआ विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार शादियां होती रहती हैं। यदि किसी विवाद की सूचना मिलती है तो पुलिस शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौजूद रहती है।

चित्रकूट की झाड़ी में मिली पूर्व जिला पंचायत सदस्य की स्कॉर्पियो, चार दिन से हैं लापता

प्रयागराज , एजेंसी। चार दिन पहले लापता हुए जिला पंचायत सदस्य रणधीर यादव का पता नहीं चला, जबकि उनकी स्कॉर्पियो चित्रकूट की झाड़ी में मिली है। लापता पूर्व जिला पंचायत सदस्य की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई है। मोहम्मदपुर हथिगंहा निवासी सेवानिवृत्ति सूबेदार राम अभिलाष यादव के पुत्र रणधीर यादव कौड़िहार के पूर्व जिला पंचायत सदस्य थे। उनकी बहू बबली यादव वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य का मकान मोहम्मदपुर हथिगंहा के अलावा हथिगंहा बाजार में भी है। मकान में पूर्व जिला पंचायत सदस्य के अलावा उनका भांजा दीपेश यादव रहते थे।

शुक्रवार की रात करीब 9 बजे पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणवीर यादव अपने साथी राम सिंह निवासी पुरे ननकू थाना नवाबगंज के साथ बाजार के एक ढाबा पर पहुंचे और खाने की पैकेट लेकर शहर की तरफ रवाना हो गए। देर रात तक वापस न लौटे तो परिजन परेशान हो गए। भांजे ने मामा रणधीर को फोन लगाया तो स्विच ऑफ बताने लगा। जिला पंचायत सदस्य बबली यादव उस वक्त कानपुर में थीं।

उन्होंने बताया कि देर रात भांजे ने बताया कि मामा का फोन स्विच ऑफ आ रहा है। उन्होंने पति से बात करने की कोशिश की तो स्विच ऑफ बताने लगा। इस दौरान उन्होंने पति के साथ सफर कर रहे राम सिंह से भी बात करने की कोशिश की लेकिन फोन नहीं उठाया। थोड़ी देर बाद राम सिंह का भी मोबाइल स्विच ऑफ आने लगा। इसकी सूचना पूर्व जिला पंचायत सदस्य के भांजे दीपेश ने शनिवार को पुलिस को दी।

पुलिस ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य की स्कॉर्पियो चित्रकूट के देवांगना के निकट एयरपोर्ट के पास झाड़ी मिली। स्कॉर्पियो में नंबर प्लेट नहीं था।

दुर्गा मंदिर संगीत समारोह: माई मटियो के होखेली त माई होखे ली..., अरविंद अकेला सहित 21 कलाकारों ने की पेशकश

वाराणसी, एजेंसी। दुर्गाकुण्ड स्थित मां कूष्माण्डा दुर्गा मन्दिर के प्रांगण में लोक संगीत की भक्ति रसधारा पूरी रात प्रवाहमान होती रही। कार्यक्रम में विख्यात गायक अरविंद अकेला कल्लू, आर्यन बाबू, शैलबाला सरकार, अर्चना तिवारी, संजीत सागर, ज्योति गुप्ता, सुमन अग्रहरि ने देवी गीत, पचरा, झूला जैसे भजनों से मंदिर को गुंजायमान रखा। छठी निशा में लोक गायक अरविंद अकेला कल्लू ने मां कूष्माण्डा के चरणों में सुरों की गंगा बहाई। उन्होंने माई मटियो के होखेली त माई होखे ली..., जहिया माई पाव अंगना में धईली..., निमिया के डाढ़ मईया...मनभावक गीतों से भक्तों को खूब झूमाया। बिहार से आये मशहूर कलाकार आर्यन बाबू ने माई माई के लार..., नजर ना लगे..., ए राजा जी खजनवा दे द...आदि गीतों की रसधार बहाई।

भक्तों ने लगाए जयकारे : गीतांजलि मौर्य ने लाल लाल जोड़ा पहना, अईली सातों बहिनिया हो सुनाया। अर्चना तिवारी ने बनल रहे नैहरवा, तेरे चरणों मे मेरा ठिकाना, ज्योति गुप्ता ने ए मोरी मईया दुर्गा मईया, हमरे अंगनवा हउवे, संजीत सागर ने मतलब के बाद ई जमाना आदि ने भजनों से सबको झुमाते रहे। सुमन अग्रहरि ने तेरा दरबार हमने सजाया है, झुलेली झुलनिया मैय्या सुनाया। अंशिका सिंह ने तुमने लाखो की किस्मत सवारी, तुम न सुनोगी तो कौन सुनेगा से भक्तों को झूमाया। इसके अलावा रविन्द्र सिंह ज्योति, सरोज वर्मा, प्रियंका सिंह, गोपाल त्रिपाठी, वैष्णवी राय ने प्रस्तुतियां दी।

महारानी हार से सजा मां कूष्माण्डा का दिव्य स्वरूप : महोत्सव के छठें दिन सोमवार को स्वर्ण महारानी हार से मां का दिव्य स्वरूप सजाया गया।

सायंकाल पट बंद होने के उपरांत मां को पंचामृत स्नान कराया गया, उसके बाद सुर्ख नीली बनारसी साड़ी और मारवाड़ी चुनरी ओढ़ाई गई। इसके बाद कोलकाता से मंगाए गए गुलाब, कमल, रजनीगन्धा, सफेद कठुआ और मुरली की माला से मां को सुसज्जित किया गया। इसके बाद स्वर्ण महारानी हार, कमल पुष्प स्वर्णाहार और अड़हुल के स्वर्ण फूलों से मां का श्रृंगार किया गया।

उपराष्ट्रपति चुनाव: उम्मीदवार बी. सुदर्शन का सपा ने किया समर्थन, अखिलेश की अपील- सभी दल उन्हें सपोर्ट करें

लखनऊ, एजेंसी। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मुझे सभी दलों से समर्थन मिल रहा है। समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों ने हमारा समर्थन किया है। हमारी कोशिश होगी कि उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों के ज्यादातर सांसद हमारे साथ हों। बी. सुदर्शन रेड्ड्री मंगलवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ प्रेसवार्ता को भी संबोधित किया।

इसके पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज भाजपा के लोग एक विशेष विचारधारा से जुड़े लोगों को ही बड़े पद पर बैठा रहे हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे समावेशी विचारधारा को अपनाएं और इसीलिए इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने अन्य दलों से अपील की है कि सभी अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट करें और बी. सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करें।

हमें सभी दलों का मिल रहा समर्थन

उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी मंगलवार सुबह लखनऊ पहुंचे । लखनऊ एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ। उन्हें रिसीव करने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। एयरपोर्ट से वह सीधे कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

लोकतंत्र की स्थिति देश में कमजोर

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि देश में लोकतंत्र की स्थिति कमजोर हो गई है और संविधान को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह संविधान की रक्षा और उसे मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पीटीआई को दिए एक विशेष इंटरव्यू में रेड्डी ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने बताया कि उनका नाम कैसे सामने आया। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्दों को लेकर चल रही बहस पर भी राय रखी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से नक्सलवाद समर्थक कहे जाने पर भी जवाब दिया।

पुलिस को मिली बडी सफलता, निवेशकों से ठगी करने वाले तीन सदस्य गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

टप्पल में भूमि निवेश के नाम पर ठगी करने वाले के गैंग स्टर में वांछित तीन सदस्यों का प्रतापगढ़ कस्बा कुण्डा से गिरफ्तार कर लिया। इस बात की जानकारी पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसपी ग्रामीण अमृत जैन के नेतृत्व में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

अमृत जैन ने बताया कि अलीगढ जनपद के टप्पल जमीनों का फर्जीवाड़ा करने वाले 3 गिरफ्तार अलीगढ़ के टप्पल में बेची थी किसानों की जमीनें, नोएडा के रहने वाले आरोपी प्रतापगढ़ में छिपे थे। पुलिस इस गैंग के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस को आरोपियों के प्रतापगढ़ जिले में छिपे होने की सूचना मिली थी। मुकदमा दर्ज होने के बाद यह लोग प्रतापगढ़ के कुंडा में छिपे हुए थे। पुलिस ने प्रतापगढ़ से अजीत कुमार रमण पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी गांव यूसुफपुर, हैबदपुर ग्रेटर नोएडा, श्रवण कुमार पुत्र चौधरी राय निवासी विशनपुर नोएडा और प्रवीन कुमार पटेल पुत्र हरिहर पटेल शान्ति विहार चिपयाना खुर्द तिगरी गौतमबुद्ध नगर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के नाम से अलीगढ़ में खरीदी गई 60.89 करोड़ रुपए की संपत्ति को भी जब्त किया है। आरोपियों ने टप्पल के गांव गौरोला में 40,596.613 वर्गमीटर जमीन खरीदी थी। पुलिस ने इस जमीन को कुर्क कर लिया है। इसके साथ ही पुलिस अन्य जिलों में भी आरोपियों का रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। अगर गैर जनपदों में इनके नाम संपत्ति मिलेगी तो उसे भी गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त किया जाएगा।

गंगा और यमुना उफान पर, 12 घंटे में बढ़ गया 183 सेमी जलस्तर, कछारी इलाकों मे पहुंचा बाढ़ का पानी

प्रयागराज, एजेंसी। गंगा और यमुना फिर उफान पर हैं। यमुना की रफ्तार गंगा से तेज है। इससे कछारी इलाकों में फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। पहाड़ी इलाकों में तेज बारिश के बाद प्रयागराज में स्थिति खराब हो गई है। सोमवार को गंगा ने हनुमानजी को चौथी बार स्नान कर दिया है। मंगलवार को भी जलस्तर में बढ़ोत्तरी जारी रही। कछार में बसे लोगों को एक बार फिर बाढ़ का खतरा सता रहा है। यमुना नदी के जलस्तर में तेज बढ़ोतरी से प्रशासन की भी चिंता बढ़ गई है। स्थिति यह रही कि सुबह आठ से रात आठ बजे के बीच यानि, 12 घंटे में यमुना के जलस्तर में 183 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसकी वजह से गंगा में दबाव भी बढ़ गया है जलस्तर बढ़ने लगा है और जलस्तर में प्रति घंटा पांच सेमी से भी अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यमुना उफान पर है। इसमें तेज बढ़ोतरी का सिलसिला रविवार को ही शुरू हो गया और सोमवार को इसकी गति खतरनाक रूप अख्तियार कर ली। सिंचाई विभाग की रविवार रात आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार यमुना का जलस्तर 79.57 मीटर दर्ज किया गया था। वहीं सोमवार की रात आठ बजे 81.80 मीटर हो गया। यानि, 24 घंटे में यमुना के जलस्तर में 2.23 मीटर की बढ़ोतरी दर्ज करी गई।

गंगा के जलस्तर में भी बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू हो गया है लेकिन दिन में 12 बजे तक इसकी रफ्तार कम थी। वहीं रात आठ बजे की रिपोर्ट के अनुसार गंगा के जलस्तर में भी चार घंटे में 22 सेमी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मुश्किल यह कि आगे भी आसार अच्छे नहीं बताए जा रहे। यमुना के साथ बेतवा भी उफान पर है। बेतवा से छह लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके अलावा टोंस नदी में भी पानी का दबाव बना हुआ है। इससे स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और आगे यमुना के जलस्तर में तेज गति से बढ़ोतरी के आसार हैं।

हालांकि राहत की बात इतनी जरूर है कि गंगा नदी में फिलहाल ऊपर से पानी नहीं छोड़े जाने की बात कही जा रही है। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार सिंह का कहना है कि राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में बारिश जारी है। यमुना के साथ बेतवा में तेज गति से जलस्तर बढ़ रहा है। टोंस का भी दबाव बना हुआ है जिससे पानी तेज गति से निकल नहीं पा रहा। उनका कहना है कि यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी रही। हालांकि उनका यह भी कहना है कि कुछ दिनों पहले आए बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनेगी।

टेस्ट क्रिकेट के लिए कुछ भी कर सकता हूं

मोहम्मद सिराज का टेस्ट क्रिकेट के लिए उमड़ा प्यार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन के बारे में खुलकर बात की है, जहां उन्होंने देश के लिए सभी पांच टेस्ट मैच खेले और शानदार 186 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे समय में जब कार्यभार प्रबंधन क्रिकेट में सबसे ज्यादा बहस का विषय बन गया है, सिराज का दृष्टिकोण सबसे अलग है। यह जुनून, गर्व और भारत के लिए खेलने के बारे में है। पांच कड़े टेस्ट मैचों में इतना भारी कार्यभार संभालने के बारे में बात करते हुए सिराज ने कहा कि उनकी प्रेरणा पूरी तरह से देश का प्रतिनिधित्व करने से आती है। सिराज ने कहा, सच कहूं तो मुझे नहीं पता। लेकिन जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं, तो आप यह नहीं सोचते कि इसका आपके शरीर पर क्या असर पड़ेगा, बल्कि आप अपने देश के लिए खेलने के बारे में सोचते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम जैसे लोगों का बचपन से एक ही सपना होता है और वह है देश के लिए खेलना। और जब वह मौका आता है, तो हम उसे पूरे जोश से लपक लेते हैं। मैं हर मौके का फायदा उठाकर भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने और उन्हें जीतने की कोशिश करने में यकीन रखता हूं। सीरीज में 186 ओवर फेंकने के बावजूद सिराज ने जोर देकर कहा कि जरूरत पड़ने पर वह और भी ज्यादा गेंदबाजी करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर एक और टेस्ट मैच होता, तो मैं 100 प्रतिशत खेल सकता था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी थकान महसूस होती है, तो सिराज ने स्पष्ट किया कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा व्यक्तिगत थकान से पहले आता है। सिराज ने कहा, नहीं, यह मेरी प्राथमिकता है। मैं टेस्ट क्रिकेट के लिए कुछ भी कर सकता हूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट का सबसे कठिन चुनौतियों और संघर्षों से सामना करना पसंद है, ठीक वैसे ही जैसे जिंदगी हमें देती है। सिराज ने आगे टेस्ट क्रिकेट की अनोखी खूबसूरती पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट मानसिक थकान, भावनात्मक थकान, शारीरिक थकान वगैरह देता है, लेकिन यही वो चुनौती है जो मुझे इसमें सबसे ज्यादा पसंद है।

क्वितोवा का टेनिस को अलविदा

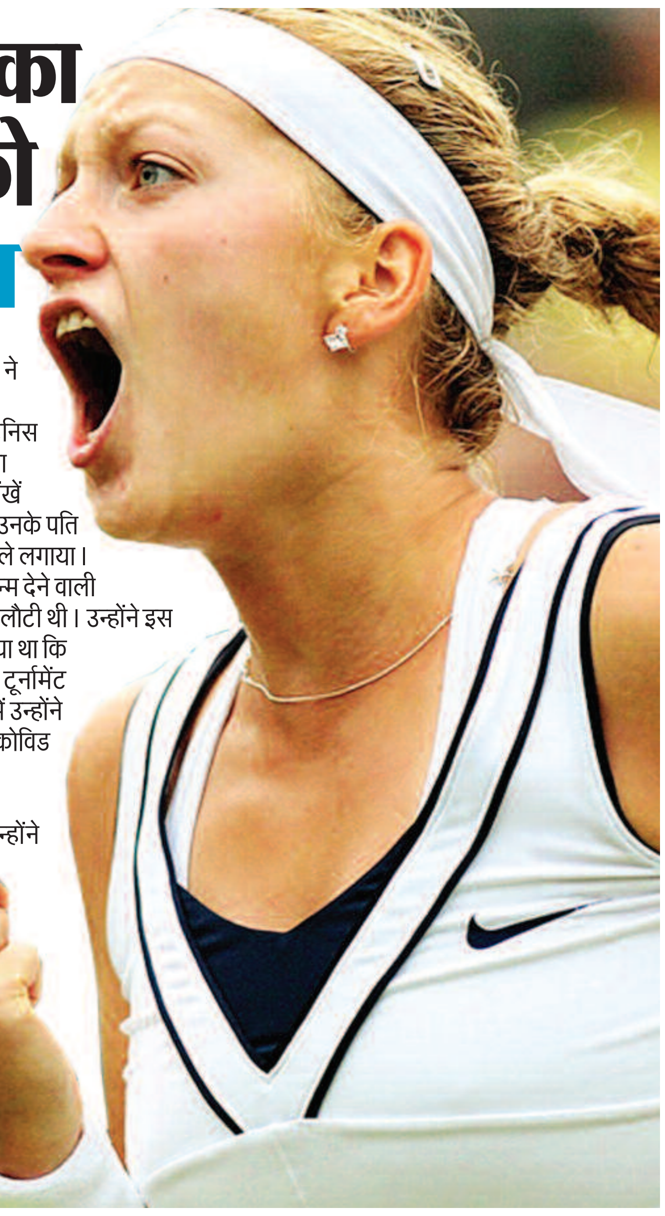

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दो बार की विम्बलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में डायने पैरी से मिली हार के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया। मुकाबला खत्म होने के बाद क्वितोवा की आंखें भर आई। दर्शक दीर्घा में मौजूद उनके पति और कोच जिरि वानेक ने उन्हें गले लगाया। पिछले साल जुलाई में बेटे को जन्म देने वाली क्वितोवा 17 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थी। उन्होंने इस साल की शुरूआत में ही कह दिया था कि अमेरिकी ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि कुछ सप्ताह पहले वह कोविड 19 संक्रमण का शिकार होने के कारण अमेरिकी ओपन से नाम वापिस लेने की सोच रही थी। उन्होंने कहा, 'सुबह उठने के बाद से मुझे लग रहा था कि कुछ अच्छा नहीं होगा। मैं खा नहीं सकी। मैं काफी नर्वस थी और कुछ कर नहीं पा रही थी। यह काफी कठिन था।

Duleep Trophy:

श्रेयस अय्यर, सरफराज, ऋतुराज; भारतीय टीम में जगह बनाने पर होंगी इन 6 बल्लेबाजों की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। शुभमन गिल की अगुआई में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए। हालांकि, करुण नायर और साई सुदर्शन कुछ खास प्रभावित नहीं कर पाए। ऐसे में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ियों के लिए दलीप ट्रॉफी से शुरू होने वाला घरेलू क्रिकेट का 2025-26 सत्र काफी अहम होने वाला है। दलीप ट्रॉफी में 6 ऐसे बल्लेबाज खेलते दिखेंगे जो भारतीय टीम के चयनकर्ताओं को प्रभावित कर सकते हैं। वह भारतीय टेस्ट टीम की योजनाओं में आ सकते हैं।

देवदत्त पडिक्कल (साउथ जोन)

कर्नाटक के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 में डेब्यू किया था। पडिक्कल ने उस सीरीज में प्रभावित किया। इसके बाद उन्हें रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी और शुभमन गिल के चोटिल होने पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट में मौका मिला। वह उस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए। चोटिल होने के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए टीम में भी जगह नहीं मिली। पडिक्कल की निगाहें दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने पर होंगी।

ऋतुराज गायकवाड़ (वेस्ट जोन)

स्टाइलिश और तकनीकी रूप से मजबूत गायकवाड किसी फॉर्मेट की योजनाओं से बाहर हैं। पिछले सीजन में रणजी ट्रॉफी में उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी शुरू की, जो इस बात का साफ संकेत हैं कि वह टीम में वापसी करना चाहते हैं। 28 साल की उम्र में वह उस मुकाम पर हैं, जहां उन्हें घरेलू क्रिकेट में अपनी निरंतरता को बड़े स्कोर में बदलना होगा ताकि एक बार फिर टीम में वापसी हो सके।

तिलक वर्मा (साउथ जोन)

इस सीजन में साउथ जोन की कप्तानी कर रहे तिलक को भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। सुनील गावस्कर, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गजों ने उन्हें भारत का अगला ऑल-फॉर्मेट क्रिकेटर बताया है। दलीप ट्रॉफी में बड़े स्कोर उनकी दावेदारी को और मजबूत कर सकते हैं।

श्रेयस अय्यर (वेस्ट जोन)

मुंबई का यह बल्लेबाज हाल ही में अपने प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि भारत की एशिया कप टीम में न चुने जाने के कारण सुर्खियों में रहा है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपनी जगह गंवा दी थी। वह स्पिन के खिलाफ सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं और भारत की प्लेइंग इलेवन में छठे नंबर के लिए उपयुक्त बल्लेबाज हैं। अय्यर चयनकर्ताओं को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2024 की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था।

सरफराज खान (वेस्ट जोन)

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 66 के औसत के बावजूद सरफराज खान को तेंदुलकर-एंडरसन सीरीज से बाहर रखा गया था। जब भी उन्हें भारत के लिए मौके मिले हैं वे काबिल तो दिखे हैं, लेकिन मौके काफी कम मिले हैं। वह एक बार फिर दलीप ट्रॉफी में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए उतरेंगे।

रजत पाटीदार (सेंट्रल जोन)

आईपीएल 2025 में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए टेस्ट मैच खेल चुके हैं। पर्याप्त मौका मिलने के बावजूद वे प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। यह टूर्नामेंट चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का एक और मौका होगा।

फ्री, फ्री, फ्री... फैंस के लिए खुशखबरी

फ्री होंगी एशिया कप 2025 के सभी मैचों की टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 का आयोजन बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरू होने जा रहा है, सभी टीमें बिहार पहुंच गई हैं. भारतीय हॉकी टीम का पहला मैच चीन के साथ 29 अगस्त को है. इससे पहले हॉकी इंडिया ने बड़ा एलान करते हुए फैंस को खुशखबरी दी है. एशिया कप के मैचों की टिकट्स फ्री रहेंगी. जी हां. सभी मैचों की एंट्री फ्री रहेगी, फैंस स्टेडियम में जाकर किसी भी मैच का आनंद फ्री में ले सकेंगे.

हॉकी इंडिया ने इसका एलान करते हुए अपने स्टेटमेंट में कहा, हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 के सभी मैचों में एंट्री फ्री होगी,. 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाने वाला यह टूर्नामेंट बिहार के दिल (राजगीर) में हॉकी का एक भव्य उत्सव होने का वादा करता है.

एशिया कप के मैचों की फ्री टिकट ऐसे करें बुक: फैंस wwe.ticketgenie.in या हॉकी इंडिया की ऐप पर जाकर फ्री में टिकट बुक कर सकते हैं. यहां प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्चुअल टिकट मिलेगा. टिकट बुक करने का तरीका सरल रखा गया है. वर्चुअल टिकट से फैंस को आसानी होगी सभी अपनी सीट तक सरलता से पहुंच जाएंगे.

एशिया कप हॉकी ट्रॉफी का अनावरण: केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को नई दिल्ली में हॉकी पुरुष एशिया कप 2025 ट्रॉफी का अनावरण किया. ये टूर्नामेंट का 12वां संस्करण है, जो 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर में आयोजित होगा.

हॉकी एशिया कप 2025 में भारत का शेड्यूल

29 अगस्त- इंडिया हॉकी बनाम चीन हॉकी

31 अगस्त- इंडिया हॉकी बनाम जापान हॉकी

1 सितंबर- इंडिया हॉकी बनाम कजाखस्तान हॉकी: भारत पूल ए में शामिल है, इस पूल में भारत के साथ चीन, जापान और कजाखस्तान हैं. पूल बी में चीनी ताइपे, मलेशिया, साउथ कोरिया और बांग्लादेश हैं. दरअसल पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था, जिसके बाद बांग्लादेश को शामिल किया गया.

अंपायर का भी खराब दिन हो सकता है

क्रिकेट के इस नियम में बदलाव चाहते हैं सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, एजेंसी। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर चाहते हैं कि डिसिजन रिव्यू सिस्टम में अंपायर कॉल नियम में बदलाव चाहते हैं। तेंदुलकर ने सोमवार (26 अगस्त) को सोशल मीडिया साइट रेडिट पर फैंस से बातचीत में कही। इस दौरान उनसे सवाल हुआ कि क्रिकेट का कौन सा नियम वह बदलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने अंपायर्स कॉल का नाम लिया।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर मौजूद अंपायर के फैसले से नाखुश होने के कारण डीआरएस लेता है, ऐसे में उनका मानना है कि उस फैसले को बरकरार रखने का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। आस्क मी एनीथिंग (ßÌ) सेशन के दौरान तेंदुलकर ने कहा, मैं अंपायर कॉल को लेकर डीआरएस नियम बदलूंगा। खिलाड़ियों ने थर्ड अंपायर के पास जाने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वे मैदान पर मौजूद अंपायर के फैसले से नाखुश थे। इसलिए उस फैसले को बरकरार रखने का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। जिस तरह खिलाड़ियों का खराब समय होता है। उसी तरह अंपायरों का भी खराब समय होते हैं। तकनीक भले ही गड़बड़ हो वह गड़बड़ ही रहेगी। 'आधार कार्ड भेजूं क्या'?

पहले भी अंपायर कॉल की आलोचना कर चुके हैं तेंदुलकर

यह पहला मौका नहीं था कि सचिन तेंदुलकर ने अंपायर कॉल को हटाया जाना चाहए। 2020 में उन्होंने कहा था कि अगर बॉल ट्रैकिंग के दौरान गेंद जरा सा भी स्टंप पर लगती है तो आउट दिया जाना चाहिए। उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा के साथ एक वीडियो चैट में कहा था, मैं आईसीसी के डीआरएस से सहमत नहीं हूं,जिसका इस्तेमाल काफी समय से हो रहा है। एलबीडब्ल्यू के मामले में मैदान पर लिए गए फैसले को पलटने के लिए गेंद का 50त्न से ज्यादा हिस्सा स्टंप्स पर लगनाज़रूरी है।

वे (बल्लेबाज या गेंदबाज) सिर्फ इसलिए ऊपर गए हैं क्योंकि वे मैदान पर लिए गए फैसले से नाखुश हैं, इसलिए जब फैसला तीसरे अंपायर के पास जाए तो तकनीक को अपना काम करने दें। बिल्कुल टेनिस की तरह या तो इन या आउट होना चाहिए। बीच का रास्ता नहीं होना चाहिए.

अंपायर कॉल क्या है?

अंपायर कॉल का इस्तेमाल तब किया जाता है जब डीआरएस तकनीकी साक्ष्य निर्णायक न होने की स्थिति में मैदान पर लिए गए फैसले को 'संदेह का लाभ' देता है। बॉल-ट्रैकिंग तकनीक के अनुसार जब गेंद का 50त्न से कम हिस्सा (बेल्स को छोड़कर) स्टंप्स पर लग रहा हो तो यह अंपायर कॉल होता है।

अल्काराज ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे, ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया; कैरोलिना मुचोवा से हारीं वीनस विलियम्स

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस स्टार और यूएस ओपन में दूसरी सीड कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्काराज नए लुक में नजर आए। वह सिर मुंडवाकर खेलने उतरे। अल्काराज ने पहले राउंड में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की।

दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मैच में उन्होंने केवल 17 गलतियां कीं, 58 में से 50 सर्विस पॉइंट जीते, सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और ओपेल्का की सर्विस तीन बार तोड़ी। अल्काराज ने पहले राउंड के मैच में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की .मैक्लॉरी ने नए लुक को लेकर किया मजाक मैच से पहले अल्काराज की मुलाकात गोल्फ स्टार रॉरी मैक्लॉरी से हुई, जिन्होंने उनके मुंडे सिर को छूकर मजाक किया। पिछले हफ्ते यूएस ओपन के मिक्स्ड डबल्स में अल्काराज के बाल पूरे थे, लेकिन इस बार उनका नया लुक चर्चा का विषय बना।

मैच के बाद अल्काराज ने अपने हेयरकट के बारे में फैन्स की राय जानी मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से अपने नए हेयरकट के बारे में राय मांगी। दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसे पसंद किया। अल्काराज ने कहा, लगता है उन्हें मेरा नया लुक पसंद आया। हालांकि, उनके दोस्त और टेनिस खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को यह हेयरकट बिल्कुल पसंद नहीं आया। टियाफो ने मजाक में कहा, यह भयानक है, जिसने भी कार्लोस को ऐसा करने को कहा, उसने गलत सलाह दी।

ओमान ने अपने पहले एशिया कप के लिए टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार क्रिकेट एशिया कप में हिस्सा ले रही ओमान ने अपनी टीम की घोषणा की है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज जतिंदर सिंह ओमान की कप्तानी करेंगे। टीम को ग्रुप ए में पाकिस्तान, मेजबान यूएई और भारत के साथ रखा गया है। 17 सदस्यीय टीम में पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से अलग खिलाड़ी शामिल हैं।

ओमान टीम में कुल चार नए चेहरे सुफियान यूसुफ, ज़िक्रिया इस्लाम, फैसल शाह और नदीम खान अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की कतार में हैं। यह ओमान का

चार खिलाड़ी करेंगे डेब्यू

एशिया कप में पहला प्रदर्शन होगा और मुख्य कोच दलीप मेंडिस यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि टीम क्या हासिल कर पाती है। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के हवाले से मेंडिस ने कहा, यह सच है कि हम एशिया कप में हिस्सा ले रहे हैं, यह एक बड़ा टूर्नामेंट है और हमारे खिलाड़ियों के लिए वैश्विक मंच पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिए एक यादगार पल होता है। तेज-तर्रार टी20 मैच में कुछ भी हो सकता है, जहां एक शानदार ओवर सब कुछ बदल सकता है। हमारी तैयारी मजबूत रही है, मौजूदा राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट हमें प्रतिस्पर्धी अनुभव प्रदान कर रहा है, और हमारे प्रशिक्षण सत्र गहन और केंद्रित रहे हैं। यह सिर्फ कौशल की बात नहीं है - शीर्ष टीमों के खिलाफ उच्च दबाव वाले मैचों में मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। हमें उम्मीद है कि हम इस एशिया कप में प्रभाव डालेंगे और ओमान को एक उभरते हुए क्रिकेट राष्ट्र के रूप में प्रदर्शित करेंगे।

क्रिकेट एशिया कप के लिए ओमान टीम: जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।